दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K K

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-127 सीहोर, शनिवार 04 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

हिमाचल में फटा बादल, फ्लैश फलड से शिमला को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे बंद, बीच सड़क मलबे में दबे वाहन

किन्नौर,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश मानसून की एंट्री के साथ कई जिलों में भारी बारिश, भूस्खलन और सड़कें बंद होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. जनजातीय जिला किन्नौर में भारी बारिश से चोलिंग में फ्लैश फलड आ गया. किन्नौर के चोलिंग में बादल फटने से लोगों में दहशत का मौहल है. पहाड़ी पर भारी बारिश के कारण मीरु नाले में भारी मलबा आ गया, जिसके चलते एनएच-5 पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया. बाढ़ की चपेट में वाहन भी आए हैं.

प्रशासन की टीम ने 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अवरुद्ध मार्ग को अस्थाई तौर पर बहाल कर दिया है. किन्नौर पुलिस यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने का कार्य करने में जुटी हुई है. मार्ग अस्थाई बहाल होने पर स्थानीय लोगों और सैलानियों ने राहत की सांस ली है.

मानसून की दस्तक के साथ ही किन्नौर जिले में भारी बारिश का कहर जारी है. किन्नौर के चोलिंग में शुक्रवार तड़के करीब चार बजे फ्लैश फलड आ गया. बाढ़ आने से राष्ट्रीय उच्च मार्ग- 5 चोलिंग स्कूल के पास बाधित हो गया. बाढ़ से लगभग 30 मीटर सड़क मार्ग पर मलबा भर गया है. पहाड़ियों से अधिक बारिश के कारण मीरु नाला में भारी मलबा आ गया. चोलिंग से आगे करछम की ओर असुरक्षित स्कूल भवन के पास मलबा आने से लोग सहमे हुए हैं. बाढ़ की चपेट में दो छोटे वाहन भी आए हैं. राहत की बात यह है कि इस हादसे

में किसी भी प्रकार का कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है.

वहीं, काजा-किन्नौर-शिमला को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे बंद होने से दोनों तरफ वाहनों की लगी लंबी कतारें लग गई हैं. प्रशासन के अनुसार सड़क मार्ग बहाल होने में करीब पांच घंटे का समय लग सकता है.

किन्नौर प्रशासन को सूचना मिलते ही पुलिस एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गई है. वहीं, जिला किन्नौर के रिब्बा गांव में भी बाढ़ आ गई है.

किन्नौर प्रशासन ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय लोगों और पर्यटकों से अपील की है कि नदी-नालों और जोखिम वाले क्षेत्रों में न जाएं. इसके अलावा अनावश्यक यात्रा और ट्रैकिंग से बचने की भी अपील की गई है. पहाड़ी एवं भूस्खलन संभावित इलाकों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है. ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके. किसी भी तरह की आपदा होने पर आपदा प्रबंधन दल या जिला प्रशासन किन्नौर को सूचित करें.

भारत और जर्मनी दो भाईयों की तरह : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दोनों देशों की साझेदारी मजबूत करने में मध्यप्रदेश निभाएगा बड़ी भूमिका

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को जर्मनी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री से मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के कार्यकारी बोर्ड की सदस्या एवं बैंक की सीईओ सुश्री क्रिस्टियाने लाईबेक, कंट्री डायरेक्टर वूल्फन मूथ, जर्मन दूतावास के प्रतिनिधि गॉटफ्रीड वॉन और अन्य सदस्य, प्रबंध संचालक म.प्र. औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड चंद्रमौली शुक्ला, विशेष गढ़पाले सहित केन्द्र सरकार के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यनमंत्री डॉ. यादव ने भारत एवं जर्मनी के बीच दशकों पुरानी मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देश भाईयों की तरह हैं। इनमें आपसी साझेदारी को और अधिक प्रबल बनाने में मध्यप्रदेश बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। सरकार जर्मनी के उद्योगपतियों और निवेशकों से लगातार सम्पर्क में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऊर्जा क्षेत्र में केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के सहयोग की सराहना करते हुए आशा जताई कि हमारी साझेदारी दिन-ब-दिन और भी सुदृढ़ होगी। जर्मनी के सहयोग से हमारा मध्ययप्रदेश एक ऊर्जा दक्ष हरित और समृद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक की सीईओ सुश्री लाईबेक ने की सौजन्य भेंट

राज्य बनेगा। केएफडब्ल्यू बैंक के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया गया कि एनर्जी रिफार्म प्रोग्राम अन्तर्गत वितरण कंपनियों में स्मार्ट मीटर की स्थापना एवं फीडर विभक्तिकरण कार्य के लिए लगभग 1120 करोड़ रूपये का वित्त पोषण किया जा रहा है। बैंक द्वारा इस साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए एनर्जी रिफार्म फेज-2 अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण अधोसंरचना निर्माण तथा सौर घंटों में कृषि फीडरों की आपूर्ति के लिये अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्यों के लिए लगभग 200 मिलियन यूरो के वित्तीय सहयोग पर भी रूचि दिखाई है।

राम मंदिर के बाद अब बदरीनाथ धाम में हेरफेर के आरोप, जांच के आदेश; खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज

चमोली/ देहरादून (ए.) । अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला सामने आने के बाद बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावे और दान में कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है। इस पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने जांच के आदेश दे दिए हैं। समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा है कि मंदिर समिति ने आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लिया है। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और

तथ्यपरक जांच होगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कौन करेगा जांच ?

मंदिर समिति ने आरोपों की जांच के लिए समिति गठित करने के आदेश दे दिए हैं। इस मामले में स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है। जांच पूरी होने के बाद अगर कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है।

राजा के परिजनों ने कहा- शिलांग पुलिस की गलतियों का फायदा उठा रही सोनम

इंदौर (ए.)। राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में अपने पति की हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सोनम की जमानत बरकरार रखी है। कोर्ट के इस फैसले से राजा रघुवंशी के परिजन दुखी हैं और शिलांग पुलिस की लापरवाही को लेकर नाराज भी हैं।

राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा कि जब शिलांग पुलिस ने सोनम को गाजीपुर से गिरफ्तार किया था, तब रिपोर्ट दर्ज करते समय गलत धारा लिख दी गई। शिलांग पुलिस की इसी गलती का फायदा सोनम उठा रही है। इसी आधार पर उसे जमानत मिली है, जबकि उसने हत्या करना कबूल किया है। हत्या के बाद सोनम भागकर इंदौर आ गई थी और एक फ्लैट में रुकी थी। जमानत पर जेल से बाहर रहने के कारण वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है। विपिन ने कहा कि सोनम ने जघन्य अपराध किया है। उसे तो फांसी की सजा होनी चाहिए, लेकिन वह जमानत पर जेल से बाहर है।

बदल गई गलती से धारा

राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में सोनम दस माह से जेल में बंद थी, लेकिन पिछले दिनों निचली अदालत ने उसकी जमानत अर्जी मंजूर करते हुए उसे जमानत दे दी, क्योंकि गिरफ्तारी के दस्तावेज में हत्या से संबंधित धारा 103(1) के बजाय धारा 403(1) लिख दी गई थी। इसे आधार बनाकर सोनम के वकील ने जमानत आवेदन प्रस्तुत किया था।

शिलांग पुलिस ने बाद में इस मामले में हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की, लेकिन हाईकोर्ट ने जमानत रद्द नहीं की और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी जमानत पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने इस तकनीकी गलती को आधार मानते हुए जमानत बरकरार रखी।

ई-रिक्शा बंद करने वाले बीएटी-बीएमएस और अन्य ऐप्स पर सरकार ने लगाया प्रतिबंध

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने बीएटी-बीएमएस और इपोच ली-आयन नाम के दो मोबाइल ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर और ऐपल ऐप स्टोर से हटाने का आदेश दिया है। इन ऐप्स के जरिए दिल्ली में कई ई-रिक्शा को दूर से बंद किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। सरकार का कहना है कि इनका गलत इस्तेमाल लोगों को परेशानी में डाल रहा था। इसी वजह से इन ऐप्स को हटाने का फैसला लिया गया, ताकि ऐसे मामलों पर रोक लगाई जा सके। ये दोनों ऐप ब्लूटूथ के जरिए लिथियम-आयन बैटरी से जुड़ते हैं और बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम को नियंत्रित करते हैं। कुछ लोग इनका इस्तेमाल मजाक के नाम पर सड़क पर चल रही ई-रिक्शा को अचानक बंद करने के लिए कर रहे थे। ऐप खोलकर पास की बैटरी से कनेक्ट होते ही डिस्चार्ज विकल्प दबाया जाता था, जिससे गाड़ी बीच रास्ते में रुक जाती थी और चालक परेशान हो जाता था।

अधिकारियों के अनुसार, ये ऐप बैटरी का वोल्टेज, तापमान और करंट जैसी जानकारी देखने के लिए बनाए गए थे।

करोड़ों लोगों की आस्था आहत हुई, केजरीवाल बोले- हर सनातनी को आवाज उठानी चाहिए

नई दिल्ली (ए.)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक धार्मिक विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल किसी एक संगठन या समुदाय का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे सनातन समाज की आस्था से जुड़ा विषय है और हर सनातनी को इसके खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि यदि किसी फैसले, बयान या गतिविधि से करोड़ों लोगों की भावनाएं प्रभावित होती हैं, तो सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए उचित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में केंद्र सरकार ने अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों की आस्था और भावनाओं का सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने सभी सनातन धर्म के अनुयायियों से अपील की कि वे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखें तथा इस मुद्दे पर एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएं।

पंजाब में महिला ने अपने 3 नाबालिग बच्चों की हत्या कर दी जान

मानसा, (आरएनएस)। शहर के वार्ड नंबर 3 में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जहां एक मां ने अपने 3 नाबालिग बच्चों को मार डाला. इतना ही नहीं, बच्चों को मारने के बाद उसने खुद भी जान दे दी. पुलिस मामले की जांच कर रही है. मृतक संदीप कौर के पति की 4 साल पहले मौत हो गई थी. मृतक संदीप कौर के रिश्तेदार रोशन सिंह ने बताया, संदीप कौर रिश्ते में उनकी भाभी लगती थी. उसने सुसाइड कर लिया. उन्हें इस बारे में तब पता चला जब उनका बेटा घर के बाहर बैठकर रो रहा था. उन्होंने बताया कि मृतक संदीप कौर की बॉडी को नीचे उतारा गया और पुलिस को सूचित किया गया. महिला के रिश्तेदार ने बताया, बड़ी बेटी का नाम मोटो (13 साल), छोटी बेटी का नाम कालू जो 8 साल की थी और डेढ़ साल के बच्चे का नाम विश्वास है. तीनों अंदर बेड पर मृत पाए गए.

उफान पर शिप्रा, पानी में समाए घाट-मंदिर; उफनती पुलिया में बहे सहायक सचिव

उज्जैन (ए.) । उज्जैन, देवास और इंदौर में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शिप्रा नदी उफान पर है और रामघाट के कई मंदिर जलमग्न हो गए हैं। वहीं बड़नगर में शॉर्टकट के चक्कर में उफनती पुलिया पार कर रहे सहायक सचिव बाइक समेत बह गए। 13 घंटे बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। जगोटी में भी एक युवक रपट पुलिया पर बाइक समेत बह गया, हालांकि तैरकर उसने अपनी जान बचा ली।

शिप्रा के उफान से डूबे रामघाट के मंदिर

लगातार बारिश से उज्जैन में शिप्रा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। रामघाट समेत कई घाटों पर बने छोटे-बड़े मंदिर आंशिक रूप से डूब गए हैं। शिप्रा ब्रिज की छोटी रपट पानी में डूबने के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही रोक दी गई है। एहतियातन होमगार्ड और पुलिस के जवान घाटों पर तैनात हैं, जो पेट्रोलिंग कर लोगों को गहरे पानी में जाने से रोक रहे हैं। होमगार्ड घाट प्रभारी ईश्वर लाल चौधरी का कहना है कि यह जलस्तर फिलहाल सामान्य है।

देश के विभिन्न इलाकों में बारिश ने मचाई तबाही, कई राज्यों के लिए आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देशभर में मानसून अब रफ्तार पकड़ चुका है, लेकिन इसके साथ ही कई राज्यों में भारी बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश समेत पहाड़ी राज्यों के कई इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई जगहों पर सड़कें जलमग्न हो गई हैं, कहीं सड़कें धंस गई हैं तो कई इलाकों में लैंडस्लाइड की घटनाएं सामने आई हैं। इस बीच भारतीय मौसम विभाग यानी कि आईएमडी ने आज कई राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि लोग उसमें बहते नजर आए। एक वीडियो में पहले एक व्यक्ति तेज धारा में बहता दिखाई दिया, उसके कुछ ही क्षण बाद दूसरा व्यक्ति भी उसी बहाव में बह गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि सड़क किनारे खड़ा एक रिक्शा भी कागज की तरह बह गया। कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है, जबकि कई जगह सड़कें पूरी तरह पानी में डूब चुकी हैं। महाराष्ट्र में लगातार हो रही बारिश से सबसे अधिक परेशानी देखने को मिल रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः चंपत से पूछताछ के बाद कईयों पर गिरेगी गाज

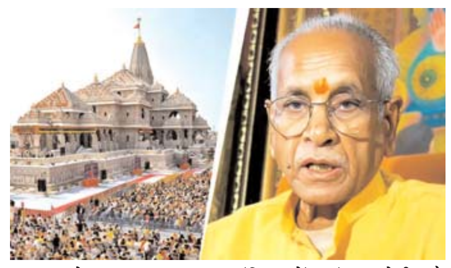

अयोध्या(ए.)। राम मंदिर में चंदा चोरी के संवेदनशील मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अयोध्या में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से करीब छह घंटे तक गहन पूछताछ की। इस लंबी पूछताछ के बाद से मामले में कुछ और लोगों पर गाज गिर सकती है उनकी गिरफ्तारी की प्रबल संभावना बढ़ गई है, जिससे इस हाई-प्रोफाइल चोरी कांड में नई परतें खुलने की उम्मीद है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पहली बार इस मामले पर बयान देते हुए चंपत राय का बचाव किया था।

एसआईटी की टीम दोपहर करीब 2:30 बजे राम मंदिर परिसर पहुंची। इससे पहले रविवार को भी चंपत राय से तीन घंटे की पूछताछ हुई थी, लेकिन इस बार की पूछताछ की अवधि दोगुनी थी, जो जांच की गंभीरता को दर्शाती है। इस बार एसआईटी का पूरा ध्यान राम मंदिर के दान प्रबंधन प्रणाली पर केंद्रित था। अधिकारियों ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों से कैश कलेक्शन, उसकी गिनती और भारतीय स्टेट बैंक के साथ बैंकिंग से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत जवाब मांगे। एसआईटी यह समझने की कोशिश कर रही है कि नकदी गिनने के लिए आउटसोर्स की गई एजेंसियों की भर्ती कैसे हुई। भारतीय स्टेट बैंक के साथ कैश मैनेजमेंट को लेकर क्या समझौता हुआ था, और किस अधिकारी को क्या जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जांच दल यह भी पड़ताल कर रहा है कि क्या कर्मियों की तलाशी, सीसीटीवी निगरानी और सुपरवाइजरी व्यवस्था ठीक से की गई थी, या फिर व्यवस्था की कमियों का फायदा उठाकर इस बड़ी चोरी को अंजाम दिया गया। इसके साथ ही भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों और आउटसोर्स एजेंसी की भूमिका की भी बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी संभावित मिलीभगत का पता लगाया जा सके।

एकांतवास में चले गए चंपतराय

चंपत राय ने दान और चंदा में हुई गड़बड़ी के आरोप लगने के बाद पिछले हफ्ते ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

पुणे हत्याकांडः आरोपी चेतन के दोस्त को थी साजिश की जानकारी, हिरासत में लिया गया

पुणे (आरएनएस)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में एक अहम घटनाक्रम सामने आया है। पुलिस ने आरोपी चेतन चौधरी के एक दोस्त और सहपाठी को हिरासत में लिया है। दावा किया जा रहा है कि इस दोस्त को हत्या की साजिश के बारे में पहले से पता था। इस दोस्त की पहचान सामने नहीं आई है, लेकिन दावा है कि केतन की हत्या के बाद ये सिया और चेतन दोनों से भी मिला था।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे ग्रामीण पुलिस ने चेतन के एक दोस्त को बीड से हिरासत में लिया है। पुलिस का मानना है कि इसे केतन की हत्या की कथित साजिश की जानकारी अपराध होने से काफी पहले से थी। पुलिस अब दोनों आरोपियों के साथ उसकी बातचीत, क्या उसे साजिश की पूर्व जानकारी थी और क्या अपराध के बाद कोई सबूत साझा किए गए या उन पर चर्चा हुई, इसकी जांच कर रही है।

एक अन्य रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों आरोपियों ने वारदात से पहले टीवी सीरियल क्राइम पेट्रोल के कई एपिसोड देखे थे, ताकि समझा जा सके कि हत्या के बाद जांच कैसे होती है और पुलिस को कैसे चकमा दिया जा सकता है। जांचकर्ताओं का मानना है कि साजिश कई हफ्तों तक रची गई थी, जिसमें कई असफल प्रयास और हत्या से कुछ दिन पहले की गई प्रेक्टिस भी शामिल थी।

सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण बने आनंदोत्सव, हर विद्यार्थी की हो सहभागिता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नवनिर्मित 70 सांदीपनि विद्यालयों का 15 जुलाई तक करायें लोकार्पण

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय प्रदेश के सभी नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विद्यालयों का लोकार्पण औपचारिक कार्यक्रम न होकर शिक्षा, संस्कृति और जनभागीदारी का सामाजिक उत्सव बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संचालित स्कूल चलें अभियान के दौरान आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण आनंद के उत्सव के रूप में मनाया जाए। यह नए भवनों के उद्घाटन के साथ हमारे नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए अध्याय का शुभारंभ है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों को यादगार बनाने के लिए बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएँ। साथ ही सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहार एवं मिष्ठान्न वितरित किया जाए, जिससे यह अवसर उनके लिए अविस्मरणीय बन सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु सांदीपनि के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित एक लघु पुस्तिका (पॉकेट बुक) प्रकाशित कर विद्यार्थियों में वितरित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरु सांदीपनि तत्समय सामाजिक समरसता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उन्होंने जाति, वर्ग, रंग का भेद न करके अमीर-गरीब से लेकर राज परिवार के बच्चों सहित गरीबों और किसानों के बच्चों को शिक्षा-दीक्षा दी। सभी को समान रूप से दीक्षित किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में हम सबके विशेषकर विद्यार्थियों को जानना जरूरी है। इससे विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंधों और नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी और प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण पहले ही हो चुका है, वहाँ प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों का विद्यालयों से जुड़ाव बढ़े। उन्होंने अधिकारियों से सभी तैयारियाँ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण, संस्कारयुक्त और आधुनिक शिक्षा का आदर्श केंद्र बने। बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह तथा स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने वर्चुअली सहभागिता की। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने बताया कि वर्तमान में 70 सांदीपनि विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के 46 एवं जनजातीय कार्य विभाग के 24 (कुल 70) सांदीपनि विद्यालय लोकार्पण के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों के प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में इनका लोकार्पण कराया जाये। उन्होंने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई) के दिन हर जिले के एक सांदीपनि विद्यालय में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाये। इसमें विज्ञान प्रदर्शनी आयोजन, गुरुजनों का सम्मान, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी प्रदाय, विद्यार्थियों द्वारा डिजिटल एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रदर्शन सहित स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान जैसे आयोजन किये जायें। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य गुलशन बामरा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बालाघाट में बाढ़ में फंसे ग्रामीणों के लिए मध्यप्रदेश पुलिस बनी जीवनरक्षक

किरनापुर पुलिस, हट्टा पुलिस, एसडीआरएफ एवं हॉक फोर्स के संयुक्त अभियान से खेतों में फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला

भोपाल (ए.)। प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा के बीच मध्यप्रदेश पुलिस आपदा की प्रत्येक स्थिति में आमजन की सुरक्षा के लिए पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में बालाघाट जिले के थाना किरनापुर क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे 16 ग्रामीणों का पुलिस, एसडीआरएफ एवं हॉक फोर्स के संयुक्त अभियान के माध्यम से सफलतापूर्वक सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा के कारण थाना किरनापुर क्षेत्र के ग्राम भानपुर में खेतों पर कृषि कार्य करने गए लगभग 16 ग्रामीण अचानक बढ़ते जलस्तर के कारण चारों ओर से बाढ़ के पानी में घिर गए। नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से उनके वापस लौटने का मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और सभी ग्रामीण बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना किरनापुर पुलिस ने बिना विलंब किए थाना हट्टा पुलिस, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) एवं हॉक फोर्स की टीम के साथ संयुक्त रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया। तेज बहाव एवं विषम परिस्थितियों के बावजूद टीम ने साहस, सूझबूझ और उत्कृष्ट समन्वय का परिचय देते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र तक पहुंचकर सभी 16 ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। समय पर की गई त्वरित कार्रवाई के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि लगातार वर्षा के दौरान नदी-नालों, पुल-पुलियों एवं जलमग्न मार्गों को पार करने का प्रयास न करें। खेतों अथवा अन्य स्थानों पर जाने से पूर्व मौसम एवं जलस्तर की जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पूर्णतः पालन करें। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस द्वारा आवश्यक बैरिकेड एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

दिल्ली में हुई व्यापार बोर्ड की बैठक - मंत्री श्री काश्यप ने किया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

नए आई सी डी और मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क स्थापित करने का अनुरोध

निर्यात संवर्धन, औद्योगिक विकास एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा को नई गति देने पर दिया जोर

भोपाल (ए.)। सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में शुक्रवार को सम्पन्न हुई बोर्ड ऑफ ट्रेड की महत्वपूर्ण बैठक में मध्यप्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश की निर्यात क्षमता, औद्योगिक विकास एवं निवेश संभावनाओं पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। बोर्ड बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, देश के प्रमुख उद्योगपति, निर्यातक, व्यापार बोर्ड के सदस्य, विभिन्न राज्यों के मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों से संपन्न हुए 9 मुक्त व्यापार समझौते भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हैं। उन्होंने सभी राज्यों से इन समझौतों का अधिकतम लाभ उठाने तथा निर्यात को नई गति देने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि भारत को वर्ष 2030-31 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर निर्यात के महत्वाकांक्षी लक्ष्य तक पहुंचाने में मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य निर्यात वृद्धि के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश ने राज्य निर्यात नीति, जिला निर्यात कार्य योजनाओं, जिला निर्यात संवर्धन परिषदों, राज्य स्तरीय निर्यात संवर्धन परिषद तथा एक जिला-एक उत्पाद जैसी पहलों के माध्यम से मजबूत निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः दिग्विजय सिंह बोले- देशभर की आस्था पर कुठाराघात, अयोध्या कोर्ट जाकर लगाएंगे मुकदमा

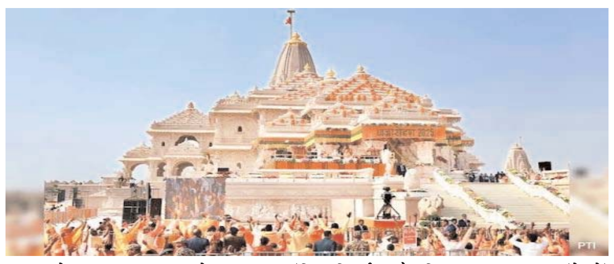

भोपाल (ए.)। अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर शुक्रवार को राजधानी भोपाल में महिला कांग्रेस ने माता मंदिर के पास सद्बुद्धि यज्ञ और सामूहिक उपवास किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए 1 लाख 11 हजार रुपये का चंदा दिया था और इसकी रसीद व चेक की प्रति आज भी उनके पास सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि 5 या 6 जुलाई को अपने वरिष्ठ अधिवक्ता से चर्चा के बाद अयोध्या जाकर अदालत में वाद दायर करेंगे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि यदि जांच में वित्तीय अनियमितता सामने आती है तो ट्रस्ट के जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर देशभर के श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ दान दिया है, इसलिए उस राशि का पूरा हिसाब सार्वजनिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि अदालत में वित्तीय गड़बड़ी साबित होती है तो वह अपना चंदा वापस लेकर किसी मान्यता प्राप्त धार्मिक पीठ या शंकराचार्य के न्यास को दान करेंगे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन पर धर्म विरोधी होने के आरोप लगाए जाते हैं, जबकि वह स्वयं सनातन परंपरा का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि वह नियमित धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, एकादशी का व्रत रखते हैं और नर्मदा परिक्रमा भी कर चुके हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) से भी धार्मिक चंदे और गुरुदक्षिणा के उपयोग का सार्वजनिक हिसाब देने की मांग की। उन्होंने धार्मिक संस्थाओं के संचालन में पारदर्शिता जरूरी बताते हुए महाकाल मंदिर परिसर की जमीन से जुड़े अपने पुराने आरोप भी दोहराए। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के गठन, पदाधिकारियों की नियुक्ति और प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इस विषय पर कई संत और शंकराचार्य पहले भी आपत्तियां जता चुके हैं।

दिव्यांगों को निजी बसों में नहीं मिल रही 50 प्रतिशत छूट, आयुक्त ने परिवहन विभाग से की सख्त कार्रवाई की मांग

भोपाल (ए.)। प्रदेश में सरकारी आदेश के बावजूद कई निजी बसों में दिव्यांग यात्रियों को 50 प्रतिशत किराया छूट का लाभ नहीं मिल रहा है। शिकायतें मिलने के बाद दिव्यांगजन आयुक्त ने परिवहन आयुक्त से नियमों का सख्ती से पालन कराने और नियमित जांच के निर्देश देने का आग्रह किया है। राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में दिव्यांगजनों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट देने का प्रावधान होने के बावजूद कई निजी बसों में इसका लाभ नहीं मिल रहा है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू कराने और नियमित निगरानी करने की मांग की है।

श्रीरामानुज संस्कृत परिसर वैदिक अध्ययन और शोध का बनेगा महत्वपूर्ण केंद्र : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के श्रीरामानुज संस्कृत परिसर, लक्ष्मण बाग, रीवा के सशक्तीकरण एवं संस्थागत विकास संबंधी प्रस्तावों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि श्रीरामानुज संस्कृत परिसर संस्कृत, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, प्राचीन शास्त्रों तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन-अध्यापन और शोध का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। श्रीरामानुज संस्कृत परिसर, रीवा में अध्ययन-अध्यापन, शोध, प्रकाशन, परीक्षा, प्रशासनिक एवं विस्तार गतिविधियों के सुचारु संचालन के लिए शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों के सृजन के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। परिसर के लिए कुल 243 पदों के सृजन तथा उनकी पूर्ति तीन वर्षों में चरणबद्ध रूप से किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें 117 शैक्षणिक, 4 प्रशासनिक तथा 122 गैर-शैक्षणिक पद सम्मिलित हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा अनुपम राजन उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि परिसर में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध होने से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध मार्गदर्शन और आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने परिसर के संधारण एवं शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पदों की स्वीकृति से श्रीरामानुज संस्कृत परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानकों के अनुरूप शैक्षणिक वातावरण विकसित होगा। साथ ही संस्कृत भाषा, वैदिक ज्ञान, भारतीय दर्शन और पारम्परिक विद्या प्रणालियों के संरक्षण, संवर्धन एवं व्यापक प्रसार को नई गति मिलेगी।

ट्रेनों में अपग्रेडेशन सिस्टम की सुविधा-यात्रियों को बिना अतिरिक्त शुल्क के उच्च श्रेणी में यात्रा का अवसर

भोपाल मंडल में 51 ट्रेनों में एक साल में 23 हजार से अधिक यात्रियों को मिला अपग्रेडेशन सुविधा का लाभ

भोपाल (निप्र)। यात्रियों को बेहतर, सहज एवं आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा ट्रेनों में अपग्रेडेशन सिस्टम संचालित किया जा रहा है। इस प्रणाली के माध्यम से सिस्टम द्वारा आटोमेटिक ही यात्रियों को उनकी वर्तमान लोअर श्रेणी से उच्च श्रेणी में निःशुल्क अपग्रेड प्रदान किया जाता है, बशर्ते उच्च श्रेणी में सीटें उपलब्ध हों एवं यात्री द्वारा इस सुविधा का चयन किया गया हो। चार्ट तैयार होने के दौरान यदि किसी कोच में सीटें खाली पाई जाती हैं, तो सिस्टम द्वारा बिना किसी कन्सेशन पर बने टिकट को स्वतः ही उच्च श्रेणी में अपग्रेड कर देता है। इस प्रक्रिया में यात्रियों को किसी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता। साथ ही सीटें अपग्रेड होने के बाद प्रतीक्षारत सूची के यात्रियों को भी कन्फर्म आरक्षित बर्थ मिलने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह अपग्रेडेशन सुविधा यात्रा श्रेणी के दो श्रेणी ऊपर तक उच्च श्रेणी में यात्री को बर्थ अपग्रेड की सुविधा प्रदान करता है। आंकड़ों की बात करें तो 1 जून 2025 से 31 मई 2026 तक एक साल की अवधि में भोपाल मंडल में 51 ट्रेनों में 23,005 यात्रियों को अपग्रेडेशन सुविधा का लाभ प्रदान करते हुए उच्च श्रेणी में आरक्षित सीटें को अपग्रेड किया गया। भोपाल मंडल में श्रेणीवार उच्च श्रेणी में अपग्रेडेशन सुविधा से लाभन्वित यात्रियों की संख्या- 2 AC से 1 AC 2402, 3 AC से 2 AC 3620, 3 AC से 1 AC 21, 3E से 3 AC 3309, 3E से 2 AC 08, CC से EC 48, SL से 3 E 5162, SL से 3 AC 8296, SL से 2 AC 54, 2S से CC 85 सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे द्वारा यह व्यवस्था यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के साथ साथ सीटों का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। यात्रियों से अपील है कि वे टिकट बुकिंग के दौरान उपरोक्त विकल्प चुनकर इस सुविधा का लाभ उठाएँ और बेहतर तथा आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त करें।

मध्यप्रदेश के लिए रुपए 5,00,856 करोड़ की वार्षिक ऋण योजना 2026-27 जारी

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के प्रयास हों : मुख्य सचिव श्री जैन

भोपाल (ए.)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में शुक्रवार को वित्त विभाग के अधिकारियों और राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी के समन्वयक से कहा है कि वे जिलों से प्राप्त जिला स्तरीय क्रेडिट प्लान का हर हाल में क्रियान्वयन कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और सुदृढ़ बनाएं। मुख्य सचिव श्री जैन ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा प्रस्तुत वार्षिक साख योजना 2026-27 का विमोचन कर जारी की। विमोचन के दौरान अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, आयुक्त संस्थागत वित्त सुश्री सोनिया मीना, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक सुश्री सुजाता लाल, उपमहाप्रबंधक नाबार्ड विजेंद्र सिंह, उपमहाप्रबंधक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति पवन कुमार अग्रवाल, भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक निशंका रॉय सहित अन्य बैंक के अधिकारी उपस्थित हुये। जारी क्रेडिट प्लान के अनुसार कुल वार्षिक ऋण योजना रुपए 5,00,856 करोड़ निर्धारित की गई है। जो गत वर्ष के लक्ष्य 4,19,110 करोड़ रूपए का 119.50 प्रतिशत है। कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फार्म क्रेडिट के लिए 1,28,866 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो गत वर्ष के लक्ष्य का 106.56 प्रतिशत तथा उपलब्धि का 120.56 प्रतिशत अधिक है। फसल ऋण (Crop Loan) का लक्ष्य रुपए 88,638 करोड़ रूपये रखा गया है, जो गत वर्ष के लक्ष्य का 101.22 प्रतिशत तथा उपलब्धि का 122.36 प्रतिशत है। कुल कृषि क्षेत्र के लिए रुपए 1,65,117 करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो गत वर्ष के लक्ष्य से 113.07 तथा उपलब्धि का 121.85 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश शासन की उद्योगोन्मुखी नीतियों को देखते हुए एमएसएमई क्षेत्र के लिए 1,62,967 करोड़ रुपए का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो पिछले वर्ष के लक्ष्य का 121.64 प्रतिशत तथा उपलब्धि का 120.90 प्रतिशत है।

पुनर्विकास कार्य के चलते कोटा जंक्शन पर 15 दिनों तक रेल संचालन प्रभावित रहेगा

भोपाल-जोधपुर, दयोदय एक्सप्रेस एवं बीना-कोटा मेमू होगी प्रभावित

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के कोटा जंक्शन में प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर पुनर्विकास कार्य के तहत रेल प्रशासन द्वारा 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक 15 दिवसीय ब्लॉक लिया जा रहा है। इस अवधि में प्लेटफॉर्म नंबर-4 से संचालित होने वाली गाड़ियों के प्लेटफॉर्म में परिवर्तन किया गया है। कुछ गाड़ियों का मार्ग परिवर्तित रहेगा तथा कुछ गाड़ियों का आंशिक संचालन सोगरिया स्टेशन से किया जाएगा। कोटा स्टेशन पर अन्य सभी प्लेटफॉर्म से रेल सेवाओं का संचालन सामान्य रूप से जारी रहेगा। ब्लॉक अवधि में परिचालनिक व्यवस्थाओं के कारण भोपाल मंडल होकर संचालित कुछ गाड़ियों के आगमन एवं प्रस्थान में अतिरिक्त समय लग सकता है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशन पर समय से पूर्व पहुंचें। प्रभावित गाड़ियों का विवरण निम्नानुसार है:-

प्लेटफॉर्म परिवर्तित रेलगाड़ियाँ

12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस, 11603 कोटा-बीना मेमू ट्रेन का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर-3 से किया जाएगा। परिचालनिक आवश्यकता के अनुसार कुछ गाड़ियों के प्लेटफॉर्म में आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी किया जा सकता है।

परिवर्तित मार्ग से संचालित रेलगाड़ियाँ

इन गाड़ियों का संचालन कोटा जंक्शन के स्थान पर गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया मार्ग से किया जाएगा।

गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) सोगरिया (आगमन 02:10 बजे, प्रस्थान 02:20 बजे)-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी। गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया (आगमन 23:30 बजे, प्रस्थान 23:40 बजे) होकर संचालित होगी तथा कोटा जंक्शन नहीं आएगी।

सोगरिया स्टेशन पर समापन करने वाली गाड़ियाँ

गाड़ी संख्या 61634 बीना-कोटा मेमू 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) सोगरिया स्टेशन पर ही समाप्त होगी।

सोगरिया स्टेशन से प्रारंभ होने वाली गाड़ी

गाड़ी संख्या 61633 कोटा-बीना मेमू 4 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक (15 फेरे) कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन से 15:20 बजे प्रस्थान करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपनी गाड़ी के प्लेटफॉर्म, समय एवं परिचालन संबंधी नवीनतम जानकारी एनटीईएस ऐप, स्टेशन के डिस्प्ले बोर्ड अथवा पूछताछ काउंटर से अवश्य प्राप्त करें तथा निर्धारित समय से पहले स्टेशन पहुंचें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में जर्मनी के K F W विकास बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री क्रिस्टियाने लाईबेक का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

दतिया में उपचुनाव की घोषणा के बाद आदर्श आचरण संहिता लागू

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की विशेष बैठक आयोजित

दतिया (ए.)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दतिया विधानसभा क्रमांक 22 में उपचुनाव की आधिकारिक घोषणा होते ही जिले में लागू कर दी गई है। आदर्श आचरण संहिता अनुपालन और निष्पक्ष चुनाव संबंधी तैयारियों के लिए आज 3 जुलाई को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियो के साथ स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपजिला निर्वाचन अधिकारी भूपेन्द्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि उप चुनाव के लिए 6 जुलाई को अधिसूचना जारी की जायेगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई रहेगी जबकि नामों की जांच 14 जुलाई को होगी और नाम वापिसी की 16 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। मतदान 30 जुलाई को कराये जाने का कार्यक्रम रखा गया है और मतगणना 3 अगस्त को होकर परिणाम घोषित किए जायेंगे। 6 जुलाई अधिसूचना जारी होने की तिथि, 13 जुलाई नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि, 14 जुलाई नामांकन पत्रों की जांच, 16 जुलाई नाम वापसी की अंतिम तिथि एवं 30 जुलाई को मतदान और 3 अगस्त को मतगणना व परिणाम की घोषणा होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को आदर्श आचरण संहिता का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाईड लाईन के अनुसार समस्त अनुमतियां प्राप्त करने के पश्चात् ही कार्यक्रम आयोजित किए जाये। उन्होंने कहा कि समम्पति विरूपण अधिनियम, कोलाहल नियंत्रण अधिनियम एवं मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के प्रावधानों का सभी राजनैतिक दल कढ़ाई से पालन करें। उन्होंने माहौल को शांति-पूर्ण बनाए रखने एवं निष्पक्ष व निर्विघ्न चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने का राजनैतिक दलों से आग्रह किया। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को नगर पालिका क्षेत्र में होर्डिग लगाने हेतु समान अवसर प्रदान करने की बात की। रिटर्निंग ऑफीसर द्वारा होर्डिग लगाने की निर्धारित अंतिम तिथि के बाद आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को पहले आओ पहले पाओं के आधार पर होर्डिग लगाने का अवसर प्राप्त होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे ने सभी विभागों को निष्पक्षता बनाए रखने, सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर कड़ी निगरानी रखने और किसी भी प्रकार की सरकारी घोषणाओं/विज्ञापनों पर रोक हेतु सख्त निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक व तहसील स्तर पर निगरानी परिसरों को सक्रिय रखने और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के आदेश भी दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदान में अधिक से अधिक लोगो को शामिल कर मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जाये। उन्होंने समस्त जनप्रतिनिधियों से मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर जल भराव की स्थिति जांचने की बात कही। यदि किसी मतदान केन्द्र पर जल भराव की स्थिति की संभावना है तो समय से पूर्व उसे दुरूस्त कराया जा सके।

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर डॉ. दीक्षा वुमेन्स क्लिनिक का पीसीपीएनडीटी पंजीयन निलंबित

निरीक्षण में अनियमितताएं मिलने पर सोनोग्राफी केन्द्र के संचालन पर लगाई गई रोक

इन्दौर (ए.)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा के निर्देशानुसार पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए डॉ. दीक्षा वुमेन्स क्लिनिक एवं सोनोग्राफी केन्द्र , एलजी-2ए, लक्ष्य चौराहा, रानीबाग, खण्डवा रोड, इंदौर का पंजीयन निलंबित कर केन्द्र के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। कलेक्टर के निर्देश पर क्लिनिक का औचक निरीक्षण पीसीपीएनडीटी की नोडल अधिकारी डॉ. निर्मला अखण्ड एवं पर्यवेक्षण दल की सदस्य श्रीमती दीपमाला बामने द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि केन्द्र पर डॉ. पूनम रायकवार ओपीडी संचालित कर रही थीं, जबकि केन्द्र से संबंधित समस्त पंजीयन डॉ. दीक्षा छाछरिया के नाम पर दर्ज हैं। इसे प्रथम दृष्टया पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन माना गया। निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितताओं की सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी को दी गई। इसके उपरांत कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशानुसार 29 जून 2026 को निरीक्षण दल द्वारा केन्द्र के सभी आवश्यक अभिलेख एवं दस्तावेज सीज करने की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा निरीक्षण प्रतिवेदन कलेक्टर शिवम वर्मा को प्रस्तुत किए जाने के बाद उपलब्ध तथ्यों के आधार पर 3 जुलाई 2026 को क्लिनिक का पीसीपीएनडीटी पंजीयन निलंबित कर दिया गया तथा सोनोग्राफी केन्द्र के संचालन पर रोक लगा दी गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने संबंधित पक्षों को नियमानुसार नोटिस जारी करने तथा प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

विधान सभा उप निर्वाचन 2026 शासकीय कर्मचारियों से अपेक्षित आचरण

दतिया (ए.)। विधान सभा उप निर्वाचन 2026 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विहित आदर्श आचरण संहिता के तहत शासकीय कर्मचारियों के लिए दिए निर्देश दिए गए है। अपर जिला दण्ड़ाधिकारी भूपेन्द्र सिंह कुशवाहा ने आदेश जारी कर कहा है कि शासकीय सेवकों का यह दायित्व है कि वे इन निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें एवं आचरण एवं व्यवहार में पूर्ण निष्पक्षता बरतें। जारी निर्देशानुसार शासकीय कर्मचारियों को चुनाव में बिल्कुल निष्पक्ष रहना चाहिए। यह आवश्यक है कि वह किसी को यह महसूस न होने दें कि वे निष्पक्ष नहीं हैं। जनता को उनकी निष्पक्षता का विश्वास होना चाहिए तथा उन्हें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए, जिससे ऐसी शंका भी हो सके की वह किसी दल या उम्मीदवार की मदद कर रहे हैं। संक्षेप में शासकीय कर्मचारियों को किसी भी प्रकार चुनाव प्रचार या अभियान में भाग नहीं लेना चाहिए तथा उन्हें यह देखना चाहिए कि उनकी सरकारी हैसियत या अधिकारी का लाभ कोई दल या उम्मीदवार न ले सके। निर्वाचन में किसी अभ्यर्थी के लिए कार्य करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 129 एवं 134क की ओर विशेष रूप से आपका ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसके अनुसार निर्वाचनों अभिकर्ता, मतदान अभिकर्ता या गणना अभिकर्ता के रूप में कार्य नहीं कर सकता है। संबंधित धाराओं के उद्धरण परिशिष्ट में दिए गए हैं। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 28-क के अधीन नियमों के संचालन के लिए नियोजित समस्त अधिकारी/कर्मचारी तथा राज्य सरकार द्वारा पदाभिहित पुलिस अधिकारी निर्वाचन के परिणाम घोषित होने तक निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर समझे जायेंगे और उस समय तक निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षक और अनुशासन के अधीन रहेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित

जल उपलब्धता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही पर अपनाई जाएगी जीरो टॉलरेंस नीति - कलेक्टर

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति, पेयजल उपलब्धता एवं जल संरक्षण संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में प्रत्येक परिवार को प्रदत्त फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) की उपलब्धि 99.71 प्रतिशत दर्शाए जाने पर कलेक्टर ने संशय व्यक्त करते हुए अधिकारियों को वास्तविक एवं प्रमाणिक जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जल जीवन मिशन अंतर्गत हस्तांतरित योजनाओं में झाबुआ विकासखंड में 36, राणापुर में 26, रामा में 10 तथा थांदला में 11 योजनाएं बंद हैं। इस पर कलेक्टर ने संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आगामी सात दिवस में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में प्रगतिरत 87 जल जीवन मिशन योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बरखेड़ा ग्राम की वर्ष 2020-21 की योजना, संशोधित स्वीकृति प्राप्त होने के बाद भी पूर्ण नहीं होने पर कलेक्टर ने संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध अनुबंध समाप्ति (टर्मिनेशन) की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों के दौरान विभिन्न सड़क निर्माण एजेंसियों द्वारा क्षतिग्रस्त की गई पाइप लाइनों की मरम्मत सात दिवस के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने 4 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे कबड्डी स्टेडियम के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर शीघ्र लोकार्पण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

इन्दौर (ए.)। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डकाच्या में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन कबड्डी स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर आगामी माह में स्टेडियम का लोकार्पण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने स्टेडियम में खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को कबड्डी कोर्ट में उच्च गुणवत्ता की वुडन फ्लोरिंग, कबूतरों से सुरक्षा के लिए जाली, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पर्याप्त एग्जॉस्ट पंखों की स्थापना तथा पेयजल की स्थायी व्यवस्था के लिए बोरिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी उपयुक्त हो। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि ग्राम डकाच्या में निर्माणाधीन यह स्टेडियम इंदौर जिले का पहला डबल कबड्डी कोर्ट होगा, जो क्षेत्र के खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण परियोजना तैयार की जा रही है।

ग्वालियर में 6 जुलाई से शुरु होगा जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का पूर्व-परीक्षण

ग्वालियर (ए.)। सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ग्वालियर जिले में भी जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य गत मई माह में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन के पश्चात अब द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य किया जाना है। निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में द्वितीय चरण की तैयारियाँ जारी हैं। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने जनगणना से जुड़े सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन करते हुए सभी व्यवस्थाएँ समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से सुनिश्चित करें, ताकि जनसंख्या गणना का कार्य सुव्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संपादित किया जा सके। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के सुचारु एवं त्रुटिरहित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्वालियर नगर निगम के वार्ड क्रमांक-5 के चयनित क्षेत्रों में जनसंख्या गणना का पूर्व-परीक्षण (Pre-test) किया जाएगा।

अपर कलेक्टर कुमार सत्यम ने ग्रामीण तहसील का किया आकस्मिक निरीक्षण

राजस्व प्रकरण अव्यवस्थित पाए जाने पर पटवारी को नोटिस जारी

ग्वालियर (ए.)। अपर कलेक्टर कुमार सत्यम ने ग्वालियर ग्रामीण तहसील पुरानी छावनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजस्व रिकॉर्ड अव्यवस्थित पाए जाने पर संबंधित पटवारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के साथ ही तहसीलदारों को राजस्व प्रकरण व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रदीप कुमार भी उनके साथ थे। अपर कलेक्टर कुमार सत्यम ने ग्वालियर ग्रामीण तहसील के पुरानी छावनी एवं गिरवाई तहसील का निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व प्रकरणों का बारीकी से अध्ययन करते हुए राजस्व रिकॉर्ड व्यवस्थित न पाए जाने पर पटवारी को कारण बताओ नोटिस देने के साथ ही तहसीलदार को राजस्व प्रकरण व्यवस्थित रखने की हिदायत दी। उन्होंने दोनों तहसीलों में राजस्व के लंबित प्रकरणों का भी निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर श्री सत्यम ने निरीक्षण के दौरान कहा है कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। अनावश्यक प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने गिरवाई एवं पुरानी छावनी तहसील में रीडर के पास दर्ज राजस्व प्रकरणों का भी अध्ययन किया। दोनों तहसीलों में फायलों को भी देखा और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर कलेक्टर श्री सत्यम ने एसडीएम प्रदीप कुमार को भी कहा है कि वे अपने अधीनस्थ न्यायालय में दर्ज प्रकरणों का अवलोकन करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई करें। उन्होंने तहसील कार्यालय में साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

पूर्व सैनिकों की सहायता के लिए अभिनव पहल

इन्दौर (ए.)। सशस्त्र सेना झण्डा निधि में पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, सैनिकों की विधवाओं एवं उनके आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास की सहायता के लिए अभिनव पहल की गई है। सशस्त्र सेना झण्डा निधि में इंदौर के उद्योगपति एवं सोनिक बायोकोम, एक्सट्रैक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गिरीश मतलानी ने 2 लाख 51 हजार रुपये की मदद का हाथ बढ़ाया। अवगत हो कि यह दान राशि पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, सैनिकों की विधवाओं एवं उनके आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास में राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा उपयोग में ली जाती है। इस सराहनीय योगदान के लिए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत्त) ने पूर्व सैनिको, वीर नारीओं एवं उनके आश्रित परिवारों की और से प्रबंध निदेशक गिरीश मतलानीएवंमहाप्रबंधक सुरेश पाहुजा एवं संस्था का आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की है उल्लेखनीय है कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस में सहयोग राशि हेतु महामहिम राज्यपाल द्वारा अगले वर्ष मार्च अप्रैल 2027 में लोकभवन में आयोजित होने वाले विशेष सम्मान समारोह में प्रबंध निदेशक गिरीश मतलानी एवं संस्था को सम्मानित किया जायेगा।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

इन्दौर (ए.)। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए गत 01 जुलाई से 03 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालयीन वातावरण, शैक्षणिक गतिविधियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से परिचित कराना है। इंडक्शन कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर छात्राओं का स्वागत एवं परिचय सत्र के साथ ही शिक्षकों और छात्राओं हेतु मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया । इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, सेमेस्टर प्रणाली एवं उच्च शिक्षा के नवीन आयामों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य, एबीसी (Academic Bank of Credits), पूर्व छात्राओं के अनुभव साझा करने तथा पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता एवं नशामुक्ति सामाजिक उत्तरदायित्व, छात्रवृत्ति योजनाएं, युवा उत्सव एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर संस्थागत गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, छात्राओं को एंटी रैगिंग, लैंगिक संवेदनशीलता, पुस्तकालय एवं ग्रंथालय सेवाएं, शिकायत निवारण प्रणाली, खेलकूद गतिविधियों एवं कैरियर मार्गदर्शन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया।

व्यापार समाचार

एचसीएल टेक को मिला मेगा एआई ऑर्डर, यूरोप की टॉप फर्म के साथ 1.14 अरब डॉलर की साझेदारी

नई दिल्ली (ए.)। देश की दिग्गज आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज (एचसीएलटेक) ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूरोप की एक फॉर्च्यून ग्लोबल 50 फर्म से ग्राहकों के ग्लोबल डिजिटल वर्कप्लेस और एंटरप्राइज नेटवर्क को बदलने और मैनेज करने के लिए एआई-आधारित ऑपरेटिंग मॉडल स्थापित करने के लिए डील साइन की है और इसकी वैल्यू 1.14 अरब डॉलर है। आईटी कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इस समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई से दिसंबर 2031 तक है और इसे और पांच साल के लिए बढ़ाने का विकल्प भी है। शुरुआती अवधि के दौरान इसकी अनुमानित कीमत 1.14 अरब डॉलर है। फाइलिंग में कंपनी ने आगे कहा कि यह डील पूरी तरह से नया बिजनेस है और उम्मीद है कि इससे कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत होगी। इस पार्टनरशिप के तहत, एचसीएल टेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके कस्टमर के ग्लोबल डिजिटल वर्कप्लेस और एंटरप्राइज नेटवर्क ऑपरेशन्स को आधुनिक बनाएगी और उसका प्रबंधन करेगी। हाल के महीनों में कई पार्टनरशिप, अधिग्रहण और निवेश की घोषणाओं के बाद, यह डील एचसीएल टेक की एआइ रणनीति में एक और अहम पड़ाव है। जून में, कंपनी ने आईटी सेवाओं को एक साथ लाने और एआई-आधारित ऑपरेशनल बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए एक रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी के साथ लंबे समय का स्ट्रैटेजिक एग्रीमेंट किया। कंपनी ने एआई-आधारित आरऐप्स का इस्तेमाल करके ऑटोनॉमस टेलीकॉम नेटवर्क ऑप्टिमाइजेशन को तेज करने के लिए नोकिया के साथ पार्टनरशिप की और एआई-पावर्ड टेलीकॉम सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन विकसित करने के लिए सर्कल्स और ग्रेस्काईज के साथ मिलकर काम किया। इसके अलावा, एचसीएलटेक ने क्लाउड सॉफ्टवेयर ग्रुप से बिजनेस इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म जैस्परसॉफ्ट को खरीदने की प्रक्रिया पूरी की और सॉवरेन एआइ स्टार्टअप सर्वम एआई के 234 मिलियन डॉलर के सीरीज बी फंडिंग राउंड में निवेश किया। इस ऐलान के बाद एचसीएल के शेयर में तेजी देखने को मिली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) कंपनी का शेयर दोपहर 12 बजे 6.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,145.70 रुपए पर था। इससे पहले बीते एक साल में कंपनी का शेयर 30 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क चुका है।

वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेत, सेंसेक्स 78 हजार के ऊपर खुला

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत शुक्रवार को मजबूती के साथ हुई। इस दौरान सेंसेक्स 650.22 अंक या 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,152.34 और निफ्टी 199.95 अंक या 0.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,375.65 पर खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार की तेजी को सहारा आईटी शेयरों से मिला रहा था। सूचकांकों में निफ्टी आईटी करीब 2 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी हरे निशान में थे। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी एनर्जी लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, बीईएल, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, इटरनल और बजाज फाइनेंस गेनर्स थे। इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एमएंडएम और एनटीपीसी लूजर्स थे।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में बड़ा उछाल, संस्थागत निवेश 2026 के पहले 6 महीने में 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (ए.)। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है। रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया। कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, पिछले कुछ तिमाही में संस्थागत निवेश में घरेलू निवेशकों का योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है, जबकि विदेशी निवेशक अब अधिक सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं और पारंपरिक रियल एस्टेट एसेट्स से हटकर दूसरे क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं। 2026 की पहली छमाही के दौरान ऑफिस एसेट्स निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बने रहे, जिसमें घरेलू निवेशकों ने चालू ऑफिस प्रॉपर्टीज में अधिकतर निवेश किया। साल की पहली छमाही में मिक्स्ड-यूज और वैकल्पिक एसेट्स में से हर एक में लगभग 0.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ और कुल निवेश में इनका हिस्सा लगभग पांचवां हिस्सा रहा। इसके अलावा, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 0.3 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया, जो एक साल पहले की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इसके उलट, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 43 प्रतिशत घटकर 0.5 अरब डॉलर रह गया, क्योंकि बढ़ती लागत और घरों की बिक्री में कमी के बीच निवेशक सतर्क रहे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी

सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो। मगर, फिलहाल ज्यादातर रकम का इस्तेमाल नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। वोट खरीद योजनाएं का असर जाहिर होने लगा है। पिछले वित्त वर्ष में राज्य सरकारों ने बाजार से 15.2 फीसदी ज्यादा कर्ज उठाया। ज्यादा कर्ज लेने की होड़ का असर ब्याज दरों पर दिखा। मतलब यह कि अब सरकारों को अधिक महंगी दर पर ऋण लेना पड़ रहा है। भारत सरकार को दस साल के बॉन्ड बेचने के लिए अब लगभग सात प्रतिशत की दर से ब्याज देने पड़ रहे हैं। सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते जुटाई गई रकम का निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो रहा हो। मगर, अपने देश में फिलहाल इनमें से बड़ी रकम का इस्तेमाल मतदाताओं के खाते में नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। मार्केट रिसर्च एजेंसी क्राइसिल के मुताबिक 2019 तक सिर्फ चार राज्यों में कैश ट्रांसफर की योजनाएं थीं, जबकि अब 28 राज्यों और केंद्र शासित दिल्ली में इन्हें चलाने का बोझ सरकारों पर है। प्रोजेक्टडीप नामक एक संगठन की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक 2015 के बाद से ऐसी योजनाओं पर सरकारी खर्च में 20 गुना से भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। ये व्यय अब दो लाख 85 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच चुकी है। यह भी गौरतलब है कि ये सारी रकम सिर्फ कर्ज लेकर नहीं जुटाई गई है। बल्कि एक्सिस रिसर्च ने पिछले साल अपनी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा था कि इस बजट का बहुत बड़ा हिस्सा सरकारों की व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन लाकर और राजकोषीय घाटा बढ़ाते हुए पूरा किया गया है। व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन का मतलब है कि दीर्घकालिक एवं मानव विकास की योजनाओं का बजट काट कर प्रत्यक्ष नकदी ट्रांसफर की योजनाएं बढ़ाई गई हैं। चूंकि सरकारें ऐसी योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन नहीं करवातीं, इसलिए यह सामने नहीं आ पाता है कि मतदाताओं को तुरंत मिलने राहत की कितनी बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी। अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इन योजनाओं को 'नई कल्याणकारी दृष्टि' कहा है। इससे मतदाताओं को महसूस होता है कि उनके लिए कुछ किया गया है। लेकिन यह किस कीमत पर हुआ है, यह बताने वाला उनके आसपास कोई मौजूद नहीं होता!

परिवर्तन की जड़ें: ई-गवर्नेंस से बदलता ग्रामीण भारत

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

कुछ क्षण केवल एक उपलब्धि भर नहीं होते, वे एक पूरी यात्रा को रोशन कर देते हैं। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चार पंचायती राज पहलों का चयन ऐसा ही एक क्षण है, ऐसा क्षण जो किसी एक कार्यालय का नहीं, बल्कि हर ग्राम पंचायत और हर उस नागरिक का है, जिसने डिजिटल रूप से सशक्त ग्रामीण भारत के सपने पर भरोसा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर, भारत की पंचायतें भरोसे, तकनीक और परिवर्तन का एक नया अध्याय लिख रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के बारह परिवर्तनकारी वर्षों के इस पड़ाव पर यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार पंचायती राज संस्थाएं मात्र योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित निकायों से आगे बढ़कर, शासन की तीसरी स्तरीय व्यवस्था की आत्मविश्वासी, सक्षम और तकनीकी रूप से दक्ष संस्थाओं के रूप में स्थापित हुई हैं।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्कृष्ट लोक सेवा वितरण के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है। इस वर्ष सात श्रेणियों में चयनित 17 परियोजनाओं में से 4 पंचायती राज क्षेत्र से संबंधित हैं, जो ज़मीनी स्तर पर नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु पिछले बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों का स्वाभाविक परिणाम है।

ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु पंचायती राज मंत्रालय की प्रमुख पहल, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, को डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस सूचकांक के आने से पहले, देश की 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए कोई मानकीकृत, डेटा आधारित राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध नहीं था। आज यह सूचकांक डेटा, प्रदर्शन, पहचान और जनभागीदारी को आपस में जोड़ने वाली एक पारदर्शी जवाबदेही व्यवस्था का निर्माण कर रहा है।

उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडेपुर ग्राम पंचायत ने ग्रासरूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया है। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से 1,300 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, पश्चिम त्रिपुरा की बिजय नगर ग्राम पंचायत को रजत पुरस्कार मिला है। पंचायत ने अपने स्वयं के स्रोतों से आय में लगभग 194 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और महिलाओं के बीच शत-प्रतिशत डिजिटल साक्षरता हासिल की है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग को 'ई-आरोग्य धमनी' पहल के माध्यम से

दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए जिला स्तरीय पहल श्रेणी में गोल्ड अवार्ड के लिए चयनित किया गया।

ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास को दर्शाता है।

यह उपलब्धि संयोग से नहीं मिली है। पिछले बारह वर्षों में मंत्रालय ने पंचायतों को निरंतर बेहतर साधन उपलब्ध कराए हैं। ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.59 लाख से अधिक पंचायतों में योजना निर्माण, बजट और भुगतान प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से 3.16 लाख करोड़ से अधिक के ऑनलाइन लेन-देन संभव हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सभासार प्लेटफॉर्म, जो 23 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है, अब 1.35 लाख से अधिक पंचायतों में चंद मिनटों में ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार कर देता है। मेरी पंचायत ऐप, जिसे 1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है, विकास कार्यों की जानकारी सीधे नागरिकों तक पहुंचा रहा है।

इन प्रयासों के साथ-साथ, स्वामित्व योजना के तहत 3.30 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा जून 2026 के मध्य तक 1.94 लाख गांवों के लिए 3.19 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों के संपत्ति अधिकार सुदृढ़ हुए हैं और उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त करने में आसानी हुई है। पंद्रहवें वित्त आयोग की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों को 2.82 लाख करोड़ की अनुदान राशि जारी की गई, जो अब तक की सर्वाधिक है। सोलहवें वित्त आयोग ने वर्ष 2026 से 2031 के लिए 4.35 लाख करोड़ की सिफारिश की है, जो लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने 'सेवा से समृद्धि पंचायतों के नेतृत्व में सेवा वितरण' विषय पर क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की है। इन कार्यशालाओं में पंचायत प्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और बुनियादी सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से सफल स्थानीय पहलों और नवाचारों को साझा किया जा रहा है, ताकि राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें और अच्छे मॉडलों को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सके। इनकी उपयोगिता और विस्तार की संभावनाएं बहुत व्यापक हैं। एनएईजी 2026 में चयनित पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियां देशभर की पंचायतों को प्रेरित कर रही हैं, और अनेक पंचायतें अपने गांवों में बेहतर सेवाएं पहुंचाकर समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ऐसे मॉडलों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदैव यह बल देते रहे हैं कि सुशासन वही है जो नागरिकों का जीवन सरल बनाए। पारदर्शी और तकनीक सक्षम व्यवस्थाओं के माध्यम से प्राप्त ईज़ ऑफ़ लिविंग ही किसी सरकार की मंशा और क्षमता की सच्ची कसौटी है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि दूसरों का सम्मान करना स्वयं के सम्मान का मार्ग प्रशस्त करता है। पंचायतों को डिजिटल साधनों से सशक्त बनाकर और उनकी क्षमता पर विश्वास जताकर, केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण मंच पर देश को सम्मानित होने का मार्ग प्रशस्त किया है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, सशक्त पंचायतों की भूमिका और भी केंद्रीय होती जा रही है। लगभग 90 करोड़ नागरिकों के ग्रामीण भारत में निवास करने के साथ, हमारी पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती ही हमारी सामूहिक प्रगति की गति तय करेगी। विकसित पंचायत, विकसित भारत से अलग नहीं, बल्कि उसकी सबसे मजबूत नींव है। ये चार राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार बेहतर प्रदर्शन, प्रगति और निरंतर आगे बढ़ने के प्रतीक हैं। ये जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे प्रत्येक सरपंच, पंचायत सचिव और महिला जनप्रतिनिधि के लिए एक प्रेरणा हैं कि उनके समर्पण और प्रयासों को पहचान मिल रही है, उनकी सराहना की जा रही है और उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों ने ही ऐसी उत्कृष्टता के उभरने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। एनएईजी 2026 में मिली पहचान से लेकर देशभर में बढ़ती सेवा से समृद्धि कार्यशालाओं की गति तक, यह सफलता इस बात की पुष्टि करती है कि ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस की जड़ें वास्तव में गहरी हो चुकी हैं, और विकसित पंचायत के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की यह यात्रा हर गुजरते वर्ष के साथ और सशक्त होती जा रही है।

सभ्यता के अंत की शुरुआत, लालच से भरे युद्ध।

संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़

मानव सभ्यता ने हजारों वर्षों की यात्रा में ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति और लोकतंत्र के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में मानव ने ऐसी उपलब्धियाँ अर्जित की हैं जिनकी कल्पना भी कभी असंभव मानी जाती थी। किंतु विडंबना यह है कि जितनी तेजी से विज्ञान आगे बढ़ा है, उतनी ही तीव्रता से सत्ता, वर्चस्व और स्वार्थ की राजनीति भी विकसित हुई है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका यह संकेत दे रही है कि मनुष्य ने तकनीक तो आधुनिक बना ली, परंतु अपनी चेतना को अभी भी संकीर्ण स्वार्थों से मुक्त नहीं कर पाया। आज अमेरिका, रूस, चीन, इज़राइल, ईरान, उत्तर कोरिया तथा अनेक क्षेत्रीय शक्तियाँ प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से शक्ति-प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा में लगी हुई हैं। कहीं आर्थिक प्रतिबंध हथियार बन रहे हैं, कहीं व्यापारिक युद्ध, कहीं साइबर आक्रमण, तो कहीं मिसाइलों और ड्रोन की वर्षा। ऐसा प्रतीत होता है कि वैश्विक राजनीति का मूल उद्देश्य मानव कल्याण नहीं, बल्कि प्रभुत्व स्थापित करना बन गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि किसी क्षेत्रीय संघर्ष का प्रभाव सीमित नहीं रहता। लाखों लोग विस्थापित हुए, हजारों सैनिक और नागरिक मारे गए, खाद्यान्न संकट उत्पन्न हुआ, ऊर्जा की कीमतें बढ़ीं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ा। इसी प्रकार मध्य-पूर्व में इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि पूरे विश्व की सामरिक स्थिरता को प्रभावित करने वाला प्रश्न बन चुका है। विश्व की महाशक्तियाँ अपने-अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि "रूस अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।" यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की बार-बार कहते रहे हैं कि स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा अधिकार है और उसकी रक्षा हर कीमत पर की जाएगी।

शी-लीप्स : लखपति दीदियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण : महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूह उद्यमों के लिए डेटा-संचालित विकास को सक्षम बनाना

>>> डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण आजीविका में परिवर्तन लाना

शी-लीप्स का अर्थ समृद्धि और स्थिरता के लिए स्वयं-सहायता उद्यमी-आजीविका और उद्यम एप्लीकेशन है। यह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक डिजिटल मंच है। इसे उद्यम निर्माण और प्रदर्शन ट्रैकिंग के लिए एक एकीकृत मंच के माध्यम से किया जा रहा है। शी-लीप्स ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका सृजन, उद्यम विकास और वित्तीय समावेशन का समर्थन करता है। यह कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार के ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य एक मजबूत और अधिक दीर्घकालिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है।

शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किया गया है और इसे एलओकेओएस प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कार्यान्वित किया गया है। एलओकेओएस एक डिजिटल सिस्टम है जिसे भारत भर में सामुदायिक संगठनों (सीबीओ) की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तरीय संघ शामिल हैं। एलओकेओएस सीबीओ की गतिविधियों को डिजिटाइज़ करने में सहायता करता है, जैसे कि सदस्यों के रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और आजीविका संबंधी रिकॉर्ड रखना और समन्वय पहलों पर निगरानी रखना।

शी-लीप्स का शुभारंभ 29 जून, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में किया गया। ग्रामोदय से राष्ट्रोदय विषय पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में प्रमुख ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार के 'विकसित ग्राम- विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए रणनीतियां तैयार करना था।

शी-लीप्स का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ

शी-लीप्स निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने पर केंद्रित है:

देशभर में ग्रामीण स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों का सृजन और उन्हें मजबूत बनाना। ग्रामीण उत्पादकों को औपचारिक मूल्य श्रृंखलाओं से एकीकृत करना।

स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) परिवारों की वित्तीय समावेशन को बढ़ाना। डेटा आधारित ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना। शी-लीप्स को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जाएगा। यह चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों की सहायता करेगा।

यह प्लेटफॉर्म वास्तविक समय में उद्यमों का डेटा एकत्र करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों की बेहतर जानकारी मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, यह प्रणाली कई स्तरों पर निगरानी को भी मजबूत करती है। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

उद्यम विकास के लिए डिजिटल सेवाएं

शी-लीप्स विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय के परिचालन डेटा को एकत्रित करता है और आजीविका की पूरी यात्रा की निगरानी करता है। यह प्लेटफॉर्म प्रोफाइल निर्माण से लेकर उद्यम प्रदर्शन ट्रैकिंग तक हर चरण में सहायता प्रदान करता है। यह डिजिटल निगरानी को और मजबूत बनाता है, शासन में सुधार करता है और बेहतर योजना, हस्तक्षेप और सूचित नीतिगत निर्णयों को सक्षम बनाता है। शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन द्वारा दी जाने वाली सेवाएं इस प्रकार हैं:

शी-लीप्स, आय वृद्धि और उद्यम प्रदर्शन की संपूर्ण निगरानी प्रदान करके लखपति दीदी मिशन को मजबूती प्रदान करेगा। हाल ही में, सरकार ने लखपति दीदी योजना का लक्ष्य 3 करोड़ महिलाओं से बढ़ाकर 6 करोड़ कर दिया है।

सरकार अगले पांच वर्षों में लखपति दीदियों के लाभ के लिए 10 लाख करोड़ रुपये जारी करने की योजना बना रही है। यह महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की एक बड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसलिए, शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन बड़े पैमाने पर उद्यम विस्तार को समर्थन देने की इस योजना का एक अभिन्न अंग है।

महिलाओं के नेतृत्व वाली एक सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण

शी-लीप्स डिजिटल अवसंरचना, उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण को मिलाकर ग्रामीण डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम विकास को समर्थन देकर और वित्तीय समावेशन को मजबूत करके, यह मंच लखपति दीदी मिशन को देशव्यापी स्तर पर फैलाने में सहायता करेगा।

यह समावेशी और दीर्घकालिक ग्रामीण परिवर्तन का एक प्रमुख प्रेरक बनने के लिए तैयार है।

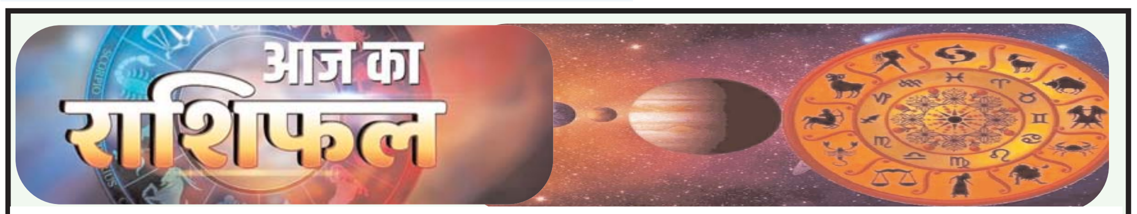

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपकी योजनानुसार सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। नयी तकनीक अपनाने से आपके व्यापार में वृद्धि होने की संभावना है साथ ही उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। आज घर पर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। वाहन सुख प्राप्त होने के आसार दिख रहे हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत बेहतरीन रहेगी। किसी करीबी रिश्तेदार की समस्या को हल करने में आज आपकी विशेष भूमिका रहेगी। आज किसी की सलाह मानने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोच-विचार जरूर करें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन नई उम्मीदों से भरा रहेगा। विदेश जाने का सपना आज पूरा होगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा। नया स्टडी शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने कामों के प्रति एकाग्र रहना आज आपको सफलता दिलाएगा। आज ऑफिस में फोन का इस्तेमाल कम से कम करेंगे और अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा और परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है। कुछ दिनों से चल रही किसी दोस्त से अनबन आज खत्म हो जाएगी और आपके रिश्ते में मिठास आएगी। राजनीति व सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। आज आपको किस्मत का साथ मिलने से कार्यों को समय से पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस में किसी जरूरी काम को लेकर विचार-विमर्श करना पड़ सकता है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को आज ऑफिशियल यात्रा से जुड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। आपके प्रति शत्रुभाव रखने वाले लोग आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज घर और व्यवसाय दोनों जगह अच्छा सामंजस्य बना रहेगा। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं। कामयाबी अवश्य मिलेगी। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आप अपने मन की बात किसी खास मित्र से शेयर करेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। आज किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाएंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंजॉय करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। आज आध्यात्मिक कामों में कुछ समय बिताने से मानसिक सुकून महसूस करेंगे। आज किसी भी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से बचें। स्वास्थ्य में स्थिरता बनी रहेगी।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे। साथ ही जीवनसाथी के साथ किसी जरूरी मुद्दे पर आपकी लंबी बातचीत हो सकती है। इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। विद्यार्थी आज अपना समय व्यर्थ में जाया करने से बचें। साथ ही अपनी स्टडी प्लानिंग को रिन्यू करें।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन नए विचारों के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में सबसे अलग और नई पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है।

"जल नायक" मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल-आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

भारतीय संस्कृति में जल को केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात स्वरूप और चेतना का प्रतीक माना गया है। प्राचीन ग्रंथों में 'अप: पुरुषरूपेण' कहकर जल की वंदना की गई है, जिसका सीधा अर्थ है कि जल में ही साक्षात ईश्वर का वास है। इसी पावन और दूरदर्शी सोच को आत्मसात करते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने जल को विकास का प्रमुख पैमाना बनाते हुए 'हर घर जल' के संकल्प को साकार किया। उनके मार्गदर्शन में जल शक्ति मंत्रालय का गठन, जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, अमृत सरोवर मिशन और जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक पहलें हुईं, जिन्होंने देश को जल संरक्षण की एक नई दिशा दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इसी वैश्विक और दूरदर्शी दृष्टिकोण को धरातल पर उतारते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य में जल क्रांति का सूत्रपात किया है। उन्होंने जल संरक्षण को एक सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाते हुए संस्कृति, आदत और राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बना दिया है, जिसके कारण आज उन्हें संपूर्ण प्रदेश में एक जनप्रिय 'जल नायक' के रूप में देखा जा रहा है।

उज्जैन विकास प्राधिकरण से मुख्यमंत्री पद तक- 22 वर्षों से अधिक का भागीरथ संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जल संपदा को सहेजने और पर्यावरण संरक्षण की यह यात्रा कोई तात्कालिक प्रयास नहीं है, बल्कि इसके पीछे 22 वर्षों से अधिक का अथक परिश्रम, संवेदनशीलता और दूरगामी सोच है। इस यात्रा की शुरुआत तब हुई जब उन्होंने उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने उज्जैन की

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने को अपने जीवन का मुख्य ध्येय बना लिया। महान सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, उनके नवरत्नों की गौरवशाली परंपरा तथा मालवा की जीवनदायिनी माँ शिप्रा के संरक्षण और जल संवर्धन के प्रति उनकी गहरी आस्था ने एक व्यापक सांस्कृतिक चेतना को जन्म दिया। उनके द्वारा आरंभ की गयी शिप्रा तीर्थ परिक्रमा धार्मिक आस्था को सशक्त करने के साथ-साथ उज्जैन और शिप्रा नदी से जुड़े सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन महत्व को पुनर्स्थापित कर रही है। इस पहल के माध्यम से शिप्रा के घाटों, तीर्थ स्थलों और प्राचीन परंपराओं को जनभागीदारी से जोड़ते हुए नदी संरक्षण महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार धार्मिक परंपराओं के संरक्षण, स्थानीय अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा जन सामान्य सीधे जुड़ रहा है। एक युवा जननेता के रूप में उन्होंने तत्कालीन समय में ही यह समझ लिया था कि बिना जल स्रोतों के संरक्षण के किसी भी सभ्यता या नगर का विकास दीर्घकालिक नहीं हो सकता और अगर इस चिंता पर समाधान के कार्य नहीं किए गए तो भविष्य के लिए सकंट पैदा होगा। उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री पद तक की अपनी यात्रा में डॉ. मोहन यादव ने हमेशा जल संवर्धन के मुद्दों को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा। वे समय-समय पर तत्कालीन मुख्यमंत्रियों और नीति-निर्माताओं को माँ शिप्रा के संरक्षण एवं जल संवर्धन के लिए प्रेरित करते रहे। वर्षों से उनके मन में नदियों और पर्यावरण के प्रति जो संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता रही, वही आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जैसे विराट जनआंदोलन के रूप में साकार हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछले दो दशकों में जल संरक्षण के जो बीज बोए थे, वे आज एक विशाल वटवृक्ष बनकर पूरे मध्यप्रदेश को अपनी शीतलता और समृद्धि से सराबोर कर रहे हैं। उनकी इसी सजगता, दूरदर्शिता और अटूट निष्ठा ने उन्हें मध्यप्रदेश के 'जल नायक' के रूप में स्थापित किया है।

आस्था की जीवनदायिनी माँ शिप्रा का पुनरुद्धार और अविरल प्रवाह

मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है और इसी मायके की सबसे पवित्र और पूजनीय नदियों में से एक है माँ शिप्रा। मालवा की गंगा कही जाने वाली और प्राचीन नगरी अवंती को अपने आंचल में समेटने वाली शिप्रा नदी सिर्फ एक जलधारा नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का केंद्र है। इसी पावन तट पर विश्व प्रसिद्ध 'सिंहस्थ' महापर्व का आयोजन होता है, जहाँ बाबा महाकाल की छत्रछाया में देश-विदेश से आए श्रद्धालु पुण्य लाभ कमाते हैं।

पीएम मोदी के दौरे से पहले न्यूजीलैंड का बड़ा संकेत, भारत की आर्थिक ताकत पर जताया भरोसा

दिल्ली (आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को एक नया आयाम देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह न्यूजीलैंड की अपनी पहली ऐतिहासिक आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। इस बेहद महत्वपूर्ण दौरे को लेकर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने अपनी गहरी खुशी और उत्साह जाहिर किया है। पीएम लक्सन ने स्पष्ट किया कि वैश्विक पटल पर भारत की भूमिका अद्वितीय है और न्यूजीलैंड की भविष्य की आर्थिक समृद्धि के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार देशों में से एक बन चुका है।

दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के ठीक दो महीने बाद हो रही यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए युग में ले जाने का काम करेगी।

पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने एक्स पर जाहिर की खुशी

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए इस दौरे की आधिकारिक जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, "मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद गर्व और खुशी हो रही है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते न्यूजीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। न्यूजीलैंड की आर्थिक स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत के साथ हमारे

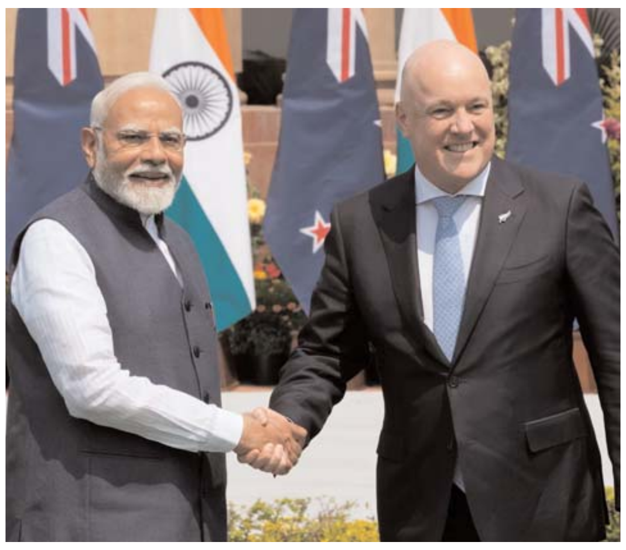

संबंध बेहद अहम हैं।"

प्रधानमंत्री लक्सन ने भारत के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की सराहना करते हुए कहा कि अप्रैल में दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते के जरिए हम अपने द्विपक्षीय रिश्तों को एक ऐतिहासिक स्तर पर ले जा रहे हैं। रोजगार और निर्यात में वृद्धि: इस समझौते से न्यूजीलैंड के भीतर रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा होंगे, हमारा अंतरराष्ट्रीय निर्यात बढ़ेगा और देश का आर्थिक ढांचा मजबूत होगा।

1.4 अरब का विशाल भारतीय बाजार: यह समझौता न्यूजीलैंड की वस्तुओं और सेवाओं के लिए 1.4 अरब की आबादी वाले विशाल भारतीय बाजार के द्वार खोल देगा। इससे न्यूजीलैंड के स्थानीय समुदायों और उत्पादकों के पास अधिक राजस्व आएगा, जिससे लोगों की व्यक्तिगत आय में भी बड़ा इजाफा होगा।

10 जुलाई को ऑकलैंड पहुंचेंगे पीएम मोदी

राजनयिक प्रोटोकॉल के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जुलाई को न्यूजीलैंड के प्रमुख शहर ऑकलैंड पहुंचेंगे और 11 जुलाई को अपनी व्यस्त व्यस्तताओं के बाद वहां से रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और न्यूजीलैंड ने 16 मार्च 2025 को मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के लिए औपचारिक बातचीत शुरू करने की घोषणा की थी। दोनों देशों के शीर्ष राजनयिकों और व्यापार मंत्रालयों ने दिन-रात काम करके रिकॉर्ड 9 महीनों के भीतर इस पूरी जटिल वार्ता को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया, जो वैश्विक व्यापार के इतिहास में अब तक का सबसे तेजी से पूरा होने वाला मुक्त व्यापार समझौता (Fastest FTA) बन गया है।

जम्मू-कश्मीर : गांदरबल में सोनमर्ग सुरंग के पास सीआरपीएफ की गाड़ी पलटी, हादसे में 6 जवान घायल

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 6 जवान घायल हो गए। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनमर्ग के गगनगीर सुरंग के पास सीआरपीएफ का एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन का संतुलन बिगड़ने के कारण यह हादसा हुआ। दुर्घटना के समय वाहन में सवार छह जवान घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और सभी जवानों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल जवानों को घटनास्थल पर प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, सभी जवानों का इलाज जारी है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हादसा चालक से हुई चूक, तकनीकी खराबी या किसी अन्य कारण से हुआ। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

बेंगलुरु डेकेयर में क्रूरता मामले में दो महिला केयरटेकर गिरफ्तार, गृहमंत्री प्रियांक बोले- ऐसी घटना अस्वीकार्य

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु के डेकेयर सेंटर मासूम बच्चों के साथ क्रूरता मामले में अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मासूम बच्चे को बेरहमी से प्रताड़ित करने और उसके साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर के मुताबिक, पकड़ी गई महिला इस मामले में दर्ज एफआईआर में दूसरी आरोपी है। डेकेयर सेंटर के भीतर का एक वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने फुटेज की बारीकी से जांच की, जिसके आधार पर इस महिला की पहचान की गई और उसे हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अब आरोपी महिला को कोर्ट में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

दिल्ली में बीजेपी की हाई-लेवल मीटिंग, अमित शाह के आवास पर जुटे बड़े नेता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर संगठनात्मक बदलावों और आगामी चुनावी रणनीतियों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी सिलसिले में गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सरकारी आवास पर एक बेहद महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई। करीब ढाई घंटे तक चली इस मैराथन बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष समेत कई शीर्ष दिग्गज शामिल हुए। हालांकि, बंद कमरे में हुई इस चर्चा के आधिकारिक एजेंडे को लेकर पार्टी की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके कई बड़े मायने निकाले जा रहे हैं।

यूपी दौरे से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की बड़ी बैठक

इस बैठक को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आगामी 4-5 जुलाई को होने वाले उत्तर प्रदेश दौरे से सीधे जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के इस शीर्ष नेतृत्व के बीच देश के सबसे बड़े राज्य यूपी के संगठनात्मक ढांचे को लेकर गंभीर मंथन हुआ है। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठन महामंत्री बीएल संतोष की मौजूदगी यह साफ संकेत देती है कि पार्टी आलाकमान उत्तर प्रदेश में संगठन को नए सिरे से चुस्त-दुरुस्त करने की पूरी रूपरेखा तैयार कर चुका है। चर्चा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल और विस्तार की सुगबुगाहटों के बीच भाजपा संगठन को भी पूरी तरह से री-मॉडल करने की तैयारी में है। रणनीतिक रूप से यह माना जा रहा है कि सरकार के कुछ वरिष्ठ चेहरों को संगठनात्मक जिम्मेदारियों में वापस लाया जा सकता है। इसके साथ ही, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व इस बार अनुभवी दिग्गजों के साथ-साथ ऊर्जावान और युवा चेहरों को संगठन की मुख्यधारा में लाकर एक नया संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है। नई टीम के गठन को लेकर भी इस बैठक में गहन विचार-विमर्श होने की खबरें हैं।

मिशन 2027: उत्तर प्रदेश फतेह करने का खाका

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस यूपी दौरे का मुख्य उद्देश्य साल 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की चुनावी रणनीति और बिसात को अंतिम रूप देना है। पार्टी राज्य में किसी भी स्तर पर ढील देने के मूड में नहीं है। यही वजह है कि इस अहम दौरे से ठीक पहले भाजपा ने बीती गुरुवार को अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूती देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया था, जिसके तहत राज्य के सभी छह क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदल दिया गया था।

15 साल बाद मिला न्याय, पुलिस कस्टडी में बेगुनाह की मौत पर थानेदार समेत 9 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद

वाशिम (आरएनएस)। महाराष्ट्र के वाशिम से एक बेहद सनसनीखेज और न्याय व्यवस्था पर अटूट भरोसा जगाने वाली खबर सामने आई है। करीब 15 साल पहले एक बेगुनाह युवक को पुलिस कस्टडी में बेरहमी से पीट-पीटकर मार डालने के मामले में जिला अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। वाशिम जिला सत्र अदालत ने इस खौफनाक वारदात में शामिल तत्कालीन थानेदार (SHO) समेत कुल 9 पुलिसकर्मियों को उम्रकैद की सख्त सजा सुनाई है। इस फैसले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कानून के हाथ बेहद लंबे होते हैं और भले ही न्याय मिलने में देरी हो, लेकिन दोषियों को उनके किए की सजा जरूर मिलती है।

आधी रात को पूछताछ के बहाने उठाया, फिर पीट-पीटकर ले ली जान

यह पूरा रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला 10 मई का है, जो करीब 15 साल पुराना है। रिसोड़ पुलिस ने रात के 3 बजे पारधी समाज से ताल्लुक रखने वाले बेग्या पवार नाम के एक युवक को उसके ही घर से उठाया था। उस वक्त परिजनों से सिर्फ इतना कहा गया था कि वे बेग्या को सामान्य पूछताछ के लिए ले जा रहे हैं। लेकिन थाने ले जाने के बाद रक्षक ही भक्षक बन गए और पुलिसकर्मियों ने उसकी इतनी बेरहमी से पिटाई की कि कस्टडी में ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बाद में जब मृतक की मेडिकल जांच (पोस्टमार्टम) हुई, तो रिपोर्ट में उसके शरीर की कई हड्डियां टूटने की पुष्टि हुई थी। हैरान करने वाली बात यह थी कि बेग्या पवार पर पहले से कोई भी आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज नहीं था और घटना से महज एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी।

ठाणे में टाइटन हॉस्पिटल के पास घोड़बंदर रोड पर सड़क के डिवाइडर से टकराने के बाद एक ट्रक कासरवडावली फ्लाईओवर से खतरनाक ढंग से लटका हुआ है।

थलापति विजय ने कर दिया खेला, एआईएडीएमके में लगाई बड़ी सेंध, तीन पूर्व मंत्री समर्थकों समेत TVK में शामिल

चेन्नई ,(आरएनएस)। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री और मशहूर अभिनेता थलापति विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कषगम' (TVK) का ग्राफ राज्य में तेजी से ऊपर जा रहा है। मुख्यमंत्री विजय ने विपक्षी खेमे में बड़ी सेंधमारी करते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (AIADMK) को गहरा झटका दिया है। गुरुवार को मामल्लापुरम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान IADMK के तीन दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ टीवीके में शामिल हो गए। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर DMK ने चुटकी लेते हुए 'वॉशिंग मशीन' का तंज कसा है।

AIADMK के इन दिग्गजों ने थामा TVK का दामन

टीवीके के महासचिव एन. आनंद की मौजूदगी में AIADMK के जिन तीन बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उनमें पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सी. विजयभास्कर, पूर्व परिवहन मंत्री एम. आर. विजयभास्कर और 45 सालों तक AIADMK से जुड़े रहे एम. एस. एम. आनंदन शामिल हैं। टीवीके में शामिल होने से पहले सी. विजयभास्कर ने विरालीमलाई सीट से और एम. आर. विजयभास्कर ने करूर सीट से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री विजय के कामकाज और विजन की जमकर तारीफ की। पूर्व मंत्री आनंदन ने कहा कि उन्हें तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य अब टीवीके में ही नजर आता है। उन्होंने किसी भी तरह की 'खरीद-फरोख्त' के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

AIADMK नेतृत्व पर साधा निशाना, बताया 'कॉरपोरेट कंपनी'

टीवीके में शामिल हुए नेताओं ने अपनी पुरानी पार्टी AIADMK के मौजूदा नेतृत्व और पार्टी महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर तीखे हमले किए।

बाबा अमरनाथ के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब, पवित्र गुफा की ओर बढ़े श्रद्धालु

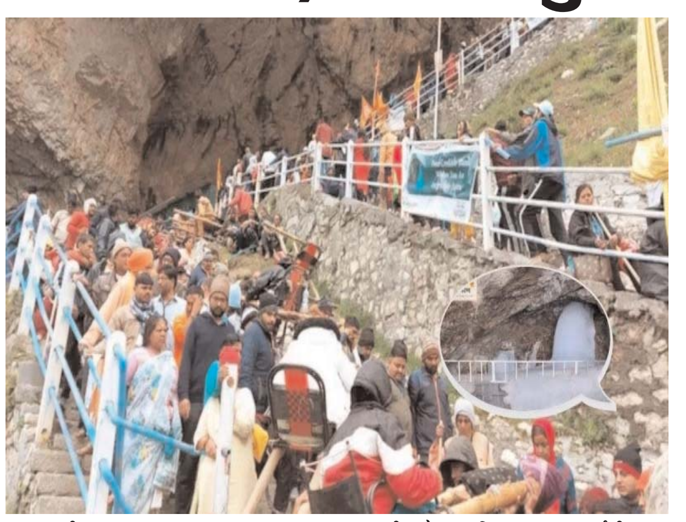

श्रीनगर/जम्मू ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सुप्रसिद्ध बाबा बर्फानी धाम में आज से पवित्र अमरनाथ यात्रा का औपचारिक आगाज हो गया है। तड़के सुबह सुरक्षा और आस्था के अनूठे संगम के बीच श्रद्धालुओं का पहला जत्था कश्मीर घाटी के बेस कैंपों से पवित्र गुफा की ओर रवाना कर दिया गया। इससे पहले, यह जत्था जम्मू से रवाना होकर पूरी तरह सुरक्षित तरीके से पहलगाम पहुंचा था। हिमालय की दुर्गम वादियों में बाबा भोलेनाथ के जयकारों की गूंज और श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास इस बात की गवाही दे रहा है कि कठिन रास्तों पर भी आस्था भारी है।

दो प्रमुख बेस कैंपों से बम-बम भोले की गूंज

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा पर आने वाले शिवभक्तों की सुविधा और सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से दो मुख्य बेस कैंप स्थापित किए गए हैं। इनमें पहला पहलगाम का नुनवान बेस कैंप और दूसरा गांदरबल जिले का बालटाल (डोमेल) बेस कैंप है। शुक्रवार सुबह दोनों ही मार्गों से यात्रियों के काफिले ने पवित्र गुफा की ओर अपने कदम बढ़ा दिए। कड़ाके की ठंड और पहाड़ों की कठिन चढ़ाई के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था और हर कोई बाबा बर्फानी की एक झलक पाने के लिए बेताब नजर आया।

पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को सुबह ठीक 4 बजे ट्रैक पर रवाना किया गया। हालांकि, तड़के सुबह इलाके में हुई हल्की बारिश के कारण यात्रा की शुरुआत में थोड़ा विलंब हुआ। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस जत्थे को सुबह 3 बजे ही रवाना किया जाना था, लेकिन मौसम के मिजाज को देखते हुए अधिकारियों ने कुछ देर इंतजार करना बेहतर समझा। इस देरी के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और वे लगातार भजन-कीर्तन करते हुए भोलेनाथ का स्मरण करते रहे।

कड़े सुरक्षा घेरे में घाटी पहुंचे श्रद्धालु, उपराज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

इससे पहले, अमरनाथ यात्रा के इस पहले आधिकारिक जत्थे को जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस जत्थे में 4800 से अधिक तीर्थयात्री शामिल थे। पूरे काफिले को अर्धसैनिक बलों की कड़ी निगरानी में कश्मीर घाटी पहुंचाया गया। जैसे ही श्रद्धालुओं का यह दल कश्मीर की सीमा में दाखिल हुआ, वहां का नजारा बेहद खूबसूरत हो गया। दक्षिण कश्मीर रेंज के उपमहानिरीक्षक (DIG) जाविद इकबाल मट्टू सहित नागरिक और प्रशासनिक अधिकारियों ने यात्रियों का माला पहनाकर और गुलदस्ते भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया

एक ही नंबर प्लेट की दो कार, दोनों के मालिक डॉक्टर, अंतर पहचानना मुश्किल; लोकिन पेट्रोल पंप पर हुआ खेला

ओडिशा (आरएनएस)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में कार के रजिस्ट्रेशन नंबर से जुड़ा एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक डॉक्टर दूसरे वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर अपनी कार पर लगाकर लंबे समय से राजधानी में बेखौफ घूम रहा था। मामले का खुलासा असली वाहन मालिक के ड्राइवर की शिकायत के बाद हुआ। शिकायत मिलने के बाद चंद्रशेखरपुर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित कार को जब्त कर लिया। साथ ही आरोपी डॉक्टर को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, OD-02-DL-3332 नंबर असल में किसी दूसरे व्यक्ति की कार का रजिस्ट्रेशन नंबर है, लेकिन इसी नंबर का इस्तेमाल उसी कंपनी और उसी रंग की एक दूसरी कार पर किया जा रहा था। आरोप है कि इस फर्जी नंबर प्लेट के साथ यह कार लंबे समय से राजधानी की सड़कों पर चल रही थी। मामले की जानकारी तब सामने आई जब वाहन के वास्तविक मालिक के ड्राइवर का सामना नकली प्लेट वाली गाड़ी से हो गया। पेट्रोल पंप पर नकली नंबर प्लेट वाली गाड़ी को देखने के बाद ड्राइवर ने शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और संबंधित वाहन को अपने कब्जे में ले लिया

अम्मा' में सत्ता को लेकर बड़ा विवाद, नई एडहॉक कमेटी को लेकर श्वेता मेनन ने उठाए सवाल

कोच्चि ,(आरएनएस)। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों का प्रमुख कमेटी 'मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' (अम्मा) एक बार फिर अंदरूनी विवादों के कारण सुर्खियों में है। संगठन में नेतृत्व और नियंत्रण को लेकर चल रहा टकराव अब एक संघर्ष में बदल गया है। पूर्व अध्यक्ष श्वेता मेनन ने नई बनाई गई एड हॉक कमेटी की वैधता पर सवाल उठाया और दावा किया कि मौजूदा परिस्थितियों में उनकी एग्जीक्यूटिव कमेटी की जिम्मेदारी संभालने की हकदार है।

पूरा मामला 21 जून को हुई एनुअल जनरल बॉडी (एजीबी) बैठक के बाद और गंभीर हो गया, जब भारी विरोध के बीच श्वेता मेनन और पूरी एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्यों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। यह कदम कमेटी के भीतर बढ़ते असंतोष और नेतृत्व पर उठ रहे सवालों के बीच सामने आया था। उस समय माना गया था कि यह इस्तीफा कमेटी में एक बड़े बदलाव की शुरुआत है, लेकिन अब यह फैसला ही नए विवाद का कारण बन गया है।

इस्तीफे के बाद एजीबी ने एक 9 सदस्यीय एड हॉक समिति के गठन को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य तब तक कमेटी का संचालन करना है जब तक नए चुनाव नहीं हो जाते। इस समिति की अध्यक्षता रमेश पिशारोडी को सौंपी गई, जबकि पूर्व विधायक के.बी. गणेश कुमार भी इसके सदस्य बनाए गए हैं। इस फैसले के बाद कमेटी के भीतर दो अलग-अलग खेमे बन गए, जिनमें एक पक्ष नई समिति का समर्थन कर रहा है और दूसरा इसे अवैध बता रहा है। विवाद तब और बढ़ गया जब एड हॉक समिति ने हाल ही में कोच्चि में एक मीटिंग की। इस मीटिंग के बाद श्वेता मेनन ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत बयान जारी कर कमेटी की कार्यप्रणाली और नई समिति की वैधता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अम्मा के नियमों के अनुसार जब तक नई कार्यकारिणी का चुनाव नहीं होता, तब तक पुरानी कार्यकारिणी ही कमेटी की प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालती है। ऐसे में एड हॉक समिति का गठन नियमों के खिलाफ है और इसका कोई कानूनी आधार नहीं बनता।

केतन हत्याकांड कोर्ट में पेश होंगे सिया और चेतन, पुलिस मांगेगी रिमांड और पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति

पुणे,(आरएनएस)। चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में मुख्य आरोपी सिया गोयल और सह-आरोपी चेतन चौधरी को शुक्रवार को एक बार फिर वडगांव कोर्ट में पेश किया जाएगा। दोनों की पुलिस रिमांड शुक्रवार को समाप्त हो रही है। ऐसे में लोनावला ग्रामीण पुलिस कोर्ट से उनकी पुलिस रिमांड बढ़ाने की मांग करेगी। साथ ही, दोनों आरोपियों का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति भी मांगी जाएगी, ताकि मामले से जुड़े अहम तथ्यों का पता लगाया जा सके। पुलिस जांच लगातार आगे बढ़ रही है। 2 जुलाई को जांच के सिलसिले में पुलिस सिया गोयल को उसके घर लेकर गई थी। वहां से पुलिस ने सिया की एक पैंट जब्त की, जिसे जांच के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। वहीं, गुरुवार को लोनावला ग्रामीण पुलिस ने सिया गोयल और चेतन चौधरी से कई घंटों तक गहन पूछताछ की। फिलहाल दोनों आरोपी वडगांव पुलिस स्टेशन के लॉकअप में बंद हैं।

पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में कई डिजिटल सबूत जुटाए जा चुके हैं। इसके अलावा, जिस जगह केतन अग्रवाल की हत्या हुई थी, वहां दोनों आरोपियों की मौजूदगी में पूरे घटनाक्रम का सीन रिक्रिएशन भी कराया गया है, ताकि वारदात की कड़ियों को विस्तार से समझा जा सके।

इससे पहले इस मामले में पुलिस ने एक और चौंकाने वाला खुलासा किया था। पूछताछ के दौरान सिया गोयल और चेतन चौधरी ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने केतन की हत्या से पहले उसकी मर्डर रिहर्सल की थी। पुलिस के अनुसार, दोनों पहले पुणे के लुल्ला नगर स्थित पहाड़ी इलाके, जो सैन्य (मिलिट्री) क्षेत्र के पास है, वहां पहुंचे और यह परखा कि किसी व्यक्ति को पहाड़ी से धक्का देने पर उसकी मौत हो सकती है या नहीं।

पाकिस्तान में यात्रियों से खचाखच भरी बस खाई में गिरी, 40 की मौत

इस्लामाबाद, (ए.)। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां यात्रियों से भरी एक बस पथरीली खाई में गिर गई, जिसमें 40 यात्रियों की मौत हुई है। हादसा बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों की सीमा के पास स्थित एक दूरस्थ क्षेत्र दाना सर में हुआ है। घटना के समय बस डेरा इस्माइल खान में प्रांतीय सीमा पार कर पेशावर जा रही थी। बताया जा रहा है कि बस यात्रियों के खचाखच भरी हुई थी। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री के मीडिया और राजनीतिक मामलों के सलाहकार शाहिद रिंद ने बताया कि मुख्यमंत्री सरफराज बुगती के निर्देशों पर घटना के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। दोनों प्रांतों के जिला प्रशासन, बचाव दल और अन्य संबंधित विभाग प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बस क्वेटा से 36 यात्रियों को लेकर रवाना हुई थी, लेकिन रास्ते में खराब बस से उतरे यात्री भी उसमें सवार हो गए थे। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने घटना पर शोक जताते हए एक्स पर घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और संबंधित विभागों को घायलों के सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री बुगती ने भी घटना पर दुख जताते हुए संबंधित विभागों को बचाव कार्य में तेजी लाने, घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, बलूचिस्तान सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

अमेरिका ने ईरान को किया सतर्क, कहा-युद्धविराम शीर्ष वार्ताकारों की हत्या कर सकता है इजरायल

वाशिंगटन (ए.)। ईरान के साथ हुए युद्ध विराम के बीच अमेरिका ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। उसने मध्य पूर्व के देशों से ईरान को सतर्क करने को कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल युद्ध विराम वार्ता में शामिल ईरान के शीर्ष वार्ताकारों की संभावित हत्या की साजिश रच सकता है, जिससे बातचीत पटरी से उतर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कथित साजिश में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबफ़ निशाना हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने स्वीकार किया कि संघर्ष के सबसे तीव्र चरण के दौरान, ईरान की कट्टरपंथी सरकार को गिराने के प्रयास में इजरायल इन दोनों व्यक्तियों को वैध लक्ष्य मान सकता था। हालांकि, अप्रैल में बातचीत शुरू हो गई, जिससे अमेरिका को यह हमला लड़ाई को फिर से भड़काने वाला लगा। अमेरिका इजरायल की युद्ध रणनीति से इतना चिंतित था कि उसने अन्य देशों से ईरान को इस संभावना के बारे में सचेत करने को कहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल हमेशा से शांति वार्ता को लेकर संशय में रहा है। उसे लग रहा था कि अमेरिका युद्ध को रोकने में जल्दबाजी कर रहा है। इजरायली अधिकारियों को आशंका

थी कि समझौते के तहत ईरान को अरबों डॉलर मिलेंगे, जिससे वह तेजी से पुनर्निर्माण करेगा और उसकी परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर रोक नहीं लगेगी। इस बातचीत में अराघची और गलिबाफ केंद्रीय भूमिका में हैं, जिनका पहला उद्देश्य युद्धविराम और फिर अमेरिका के साथ स्थायी शांति स्थापित करना है। रिपोर्ट के अनुसार, अराघची और गलिबाफ दोनों मार्च से ही इजरायल की लक्ष्य सूची में थे, लेकिन युद्धविराम वार्ता शुरू होने के बाद अमेरिका के आग्रह पर उन्हें सूची से हटा दिया गया था। गालिबाफ 2025 के बाद से 2 बार मौत के मुंह से बाल-बाल बचे हैं। पहली बार पिछले साल के 12 दिवसीय युद्ध के दौरान और दूसरी बार इस साल के संघर्ष की शुरुआत के बाद।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के साथ बातचीत के बाद गलिबाफ के तेहरान लौटते समय हत्या का खतरा उभरा था। ईरानी खुफिया एजेंसियों को पता चला था कि इजरायल गलिबाफ के विमान को निशाना बनाने की योजना बना रहा था और 2 इजरायली लड़ाकू विमान ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे थे। गलिबाफ के विमान ने पाकिस्तानी सीमा के सबसे नजदीक ईरान के हवाई अड्डे मशहद में आपातकालीन लैंडिंग की और सड़क मार्ग से तेहरान चले गए थे।

अमेरिका-ईरान-इजरायल के बीच 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था, जिसमें सबसे पहले अमेरिका-इजरायल ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार गिराया था। यह हमला अमेरिकी खुफिया जानकारी पर आधारित था। इसके बाद ईरानी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी, पूर्व विदेश मंत्री कमाल खराजी, खुफिया मंत्री इस्माइल खातिब और ईरान बल के प्रमुख अब्दुलरहीम मुसावी समेत 10 अन्य को मारा गया। लारीजानी और खराजी के साथ अमेरिका बातचीत की उम्मीद कर रहा था, लेकिन इजरायली हमले में मारे गए।

अपने पिता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में नहीं शामिल होंगे मोजतबा, सामने आया ये कारण

तेहरान (ए.)। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में उनके बेटे और ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई शामिल नहीं होंगे। सूत्रों ने भारत में खामेनेई के प्रतिनिधि अयातुल्ला हकीम इलाही के हवाले से यह बात कही। उन्होंने कहा कि मोजतबा के सार्वजनिक रूप से उपस्थित होने की संभावना नहीं है, क्योंकि अधिकारी उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। शुक्रवार को अली खामेनेई के अंतिम संस्कार का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्टीय हवाई अड्डे से तेहरान के लिए रवाना होने से पहले, इलाही ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह से सुरक्षा चिंताओं से प्रेरित है। उन्होंने कहा, मैं पिछले हफ्ते ईरान में था और वहां अपने कुछ दोस्तों से मिला, जो उनसे मिले थे। उन्होंने बताया कि वह बाहर आना चाहते हैं। वह लोगों से मिलना चाहते हैं। लेकिन सुरक्षा उन्हें आने की इजाजत नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि वह बाहर नहीं आएंगे। अमेरिका और इजरायल के हमले में मारे गए अली खामेनेई और उनके परिवार के 5 सदस्यों का ताबूत ईरानी जनता के सामने लाया गया है। शुक्रवार को उनकी पोती समेत सभी का ताबूत तेहरान की ग्रैंड मोसाल्ला पहुंचा, जहां लोगों ने मातम मनाया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी अंतिम यात्रा 6 जुलाई से शुरू होगी, जो 9 जुलाई को मशहद में समाप्त होगी। यहीं खामेनेई और उनके परिवार का अंतिम संस्कार किया जाएगा। ईरान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के विदेश विभाग के प्रभारी सलमान खुर्शीद और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को अंतिम संस्कार में शामिल होने का न्यौता दिया है। कांग्रेस की ओर से खुर्शीद तेहरान जाएंगे। उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा खुले तौर पर भारत का समर्थन किया है और कभी नई दिल्ली के रुख को लेकर शिकायत नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत को इस शोक की घड़ी में ईरान के साथ होना चाहिए।

कांगो में इबोला वायरस के नए प्रकार के उपचार का परीक्षण शुरु

जिनेवा (ए.)। अफ्रीकी देश कांगो और युगांडा में फैले इबोला वायरस को लेकर एक राहत भरी खबर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि बीमारी फैलाने के नए प्रकार के वायरस के संभावित उपचारों का परीक्षण शुरू हो गया है। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने बताया कि कांगो में पहले मरीज को भर्ती किया गया है, जिस पर परीक्षण चल रहा है। अभी इबोला के बंडीबुग्यो वायरस के रोग के लिए कोई स्वीकृत टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। वर्तमान परीक्षण डब्ल्यूएचओ द्वारा प्रायोजित है, जिसका समन्वय कांगो में इंस्टीट्यूट नेशनल डी रिसर्च बायोमेडिकल, बेल्जियम में इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में टेड्रोस ने कहा कि 2 दवाओं का नैदानिक परीक्षण शुरू हो गया है, जिसमें पहले मरीज का नामांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि अनुमोदित उपचारों के बिना भी लोग ठीक हो रहे हैं, लेकिन सुरक्षित और प्रभावी उपचार होने से कई जान बच सकती है। कांगो और युगांडा में इबोला का मौजूदा प्रकोप मई में शुरू हुआ था, जिसके बाद डब्ल्यूएचओ ने सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया गया है। कांगो में 30 जून तक 1,406 पुष्ट मामले और 301 संदिग्ध मामले सामने आए थे। अभी तक 438 मौतें दर्ज की गई हैं। युगांड में एक जुलाई तक 20 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें से 2 की मौत हो गई है, और फ्रांस में भी एक पुष्ट मामला सामने आया है।

पाकिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में 2 पुलिस अधिकारियों की मौत, एक पुलिसकर्मी घायल

पेशावर (ए.)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस टीम पर अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। इस हमले में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल है। घटना के बाद अज्ञात बंदूकधारी मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में घायल पुलिसकर्मी को अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं हमले के बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। पुलिस का कहना है कि अज्ञात आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की और फिर वह फरार हो गए। फिलहाल घटना में शामिल लोगों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। वहीं मामले की जांच भी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में पुलिस की रूटीन पेट्रोलिंग टीम पर अज्ञात बंदूकधारियों ने फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में एक सीनियर अधिकारी समेत दो पुलिसकर्मी मारे गए। वहीं एक अन्य पुलिसकर्मि गंभीर रूप से घायल हो गया। आतंकवादियों ने

गुरुवार देर रात अफगान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर घात लगाकर हमला किया। पुलिस के अनुसार, यह हमला लोअर मोहमंद सब-डिविजन के मचनी अकरब दाग इलाके में हुआ, जहां अज्ञात हमलावरों ने पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीम पर घात लगाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस फायरिंग में एक एडिशनल स्टेशन हाउस ऑफिसर और एक हेड कॉन्स्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुलिस वैन का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। मारे गए पुलिसकर्मियों के शवों और घायल कॉन्स्टेबल को ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। शुरुआती इलाज के बाद, घायल अधिकारी को आगे के इलाज के लिए पेशावर के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया। वहीं घटना के तुरंत बाद जिला पुलिस अधिकारी रजा मुहम्मद और डीएसपी दिलफराज भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और आरोपियों की तलाशी के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि हमलावर घटनास्थल से भागने में सफल रहे। फिलहाल इसमें शामिल लोगों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। हमले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

फीचर

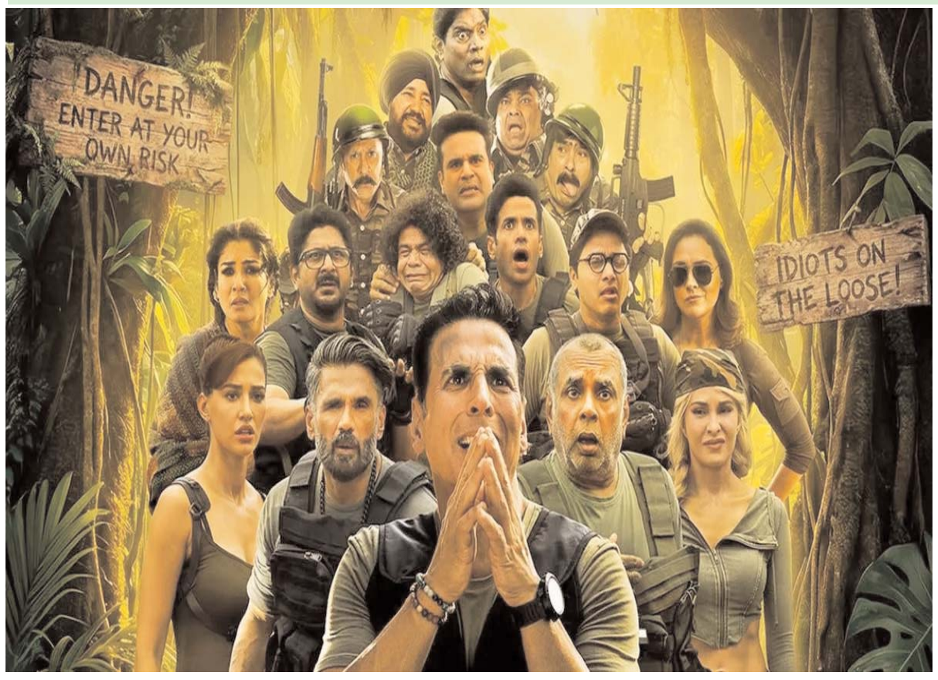

बॉक्स ऑफिस पर वेलकम टू द जंगल 100 करोड़ क्लब की ओर, तीसरे सप्ताह में भी कायम है मैं वापस आऊंगा का दम, कैरी ऑन जट्टा 4 की रफ्तार भी हुई धीमी

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। हालांकि बुधवार को लगभग सभी फिल्मों की कमाई में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म रही। वहीं पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 और इम्तियाज अली निर्देशित मैं वापस आऊंगा ने भी बॉक्स ऑफिस पर अपना प्रदर्शन जारी रखा। अक्षय कुमार अभिनीत वेलकम टू द जंगल 100 करोड़ रुपये के क्लब की ओर तेजी से बढ़ रही है। हालांकि रिलीज के छठे दिन फिल्म की कमाई में कुछ कमी देखने को मिली। व्यापारिक वेबसाइट सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने बुधवार को लगभग 6 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही छह दिनों में फिल्म का कुल भारतीय शुद्ध बॉक्स ऑफिस संग्रह 87.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। गिप्पी ग्रेवाल और सरगुन मेहता अभिनीत पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 के कारोबार में भी छठे दिन गिरावट दर्ज की गई। सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने बुधवार को 85 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही छह दिनों में फिल्म की कुल भारतीय शुद्ध कमाई 11.45 करोड़ रुपये हो गई है।

दादू-नानू की याद आ गई,इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा देखने के बाद इमोशनल हुई कृति खरबंदा

एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने इम्तियाज़ अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक बेहद इमोशनल नोट शेयर किया है. उन्होंने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भीतर तक छू लिया और उनके दिवंगत दादाजी और नानाजी की यादें ताज़ा कर दी हैं.

फिल्म से जुड़ी अपनी इमोशंस शेयर करते हुए कृति ने लिखा है कि इस फिल्म को उन्हें अपने दादू और नानू दोनों की याद आ गई. उन्होंने कहा कि वो उन्हें हर दिन याद करती हैं, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें रुककर उनके सभी त्यागों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया, जो पिछली पीढ़ियों ने किए थे. उन्होंने लिखा कि हम अक्सर जिस ज़मीन पर खड़े होते हैं, उसे अपना मान लेते हैं, बिना ये समझे कि शायद किसी ने वहां तक पहुंचने के लिए अपनी पूरी दुनिया पीछे छोड़ दी होगी.

विशेष रूप से डायरेक्टर इम्तियाज़ अली को संबोधित करते हुए कृति ने लिखा है, आपकी फिल्में अक्सर घर जैसी लगती हैं. इस बार घर नहीं मिला... इस बार घर की याद मिल गई. उनके इन शब्दों ने खूबसूरती से ये एहसास बयां किया कि फिल्म ने सिर्फ घर की कहानी नहीं दिखाई,

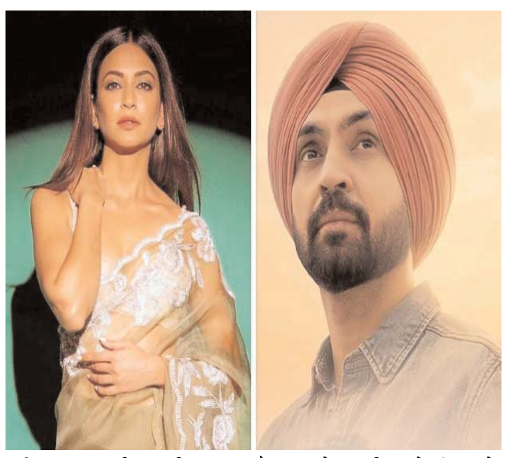

बल्कि घर की गहरी याद और उससे जुड़ी इमोशंस को जगा दिया है. कृति ने आगे लिखा कि मैं वापस आऊंगा देखने के बाद घर का अर्थ उनके लिए पूरी तरह बदल गया है. उन्होंने लिखा है, शायद घर सिर्फ वो जगह नहीं होती जहां हम रहते हैं. कभी-कभी घर वो भी होता है, जहां हम कभी वापस नहीं जा पाते. उनके अनुसार, घर केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसी इमोशन भी हो सकता है, जो हमेशा हमारी यादों में जीवित रहती है, भले ही वहां लौट पाना संभव न हो.

कृति ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि इसका प्रभाव इसकी अवधि से कहीं अधिक बड़ा है. उन्होंने लिखा कि कुछ कहानियां पर्दा गिरने के साथ खत्म नहीं होतीं, बल्कि दर्शकों के साथ उनके घर तक जाती हैं और लंबे समय तक उनके दिलों में बस जाती हैं.

अपने इमोशंस मैसेज के अंत में कृति ने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद भी किया है कि उन्होंने एक आम इंसान को नायक के रूप में प्रेजेंट किया है. उन्होंने अपना आभार अपने दादू, नानू और उन जैसे अनगिनत लोगों को समर्पित करते हुए लिखा है, शुक्रिया मेरे दादू और नानू जैसे उन सभी आम आदमी को हीरो बनाने के लिए. इसी के साथ उन्होंने अपने इस मैसेज का समापन दिल वाले इमोजी के साथ किया है.

कृति खरबंदा का ये इमोशनली मैसेज सोशल मीडिया पर फैंस के दिलों को छू रहा है और ये दिखाता है कि मैं वापस आऊंगा ने दर्शकों पर कितना गहरा इमोशनल प्रभाव छोड़ा है।

वेलकम टू द जंगल के आगे हार मानने को तैयार नहीं कॉकटेल 2, 13वें दिन भी खूब छापे नोट

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फ़िल्म कॉकटेल 2 ने पहले हफ्ते में जमकर कमाई की थी लेकिन दूसरे हफ्तें में एंट्री करते ही इसे अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल से मुकाबला करना पड़ा. हालांकि नई फिल्म के आने से कॉकटेल 2 की कमाई कुछ खास असर नहीं पडा और ये बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है. यहां तक कि दूसरे मंगलवार को तो इसने कमाई में तेजी भी दिखाई थी. चलिए यहां इसके बुधवार यानी छठे दिन का कलेक्शन जानते हैं. क्रिटिक्स और दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिलने के बावजूद होमी अदजानिया निर्देशित रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म ने सिनेमाघरों में लगातार अच्छा परफॉर्म किया है. लेकिन वीकडेज में इसकी कमाई थोड़ी सुस्त पड़ गई है. खासकर दूसरे बुधवार को यानी 13वें दिन इसके कलेक्शन सबसे ज्यादा मंदी देखी गई फिर भी इसने 1 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक 13.50 करोड़ से खाता खोला था और पहले हफ्ते में 70.50 करोड़ कमाए. इसके बाद इसने 8वें दिन 4 करोड़, 9वें दिन 4.25 करोड़, 10वें दिन 4.40 करोड़, 11वें दिन 1.75 करोड़ और 12वें दिन 1.85 करोड़ कमाए थे.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को कॉकटेल 2 ने 1.40 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 13 दिनों की कुल कमाई अब 88.15 करोड़ रुपये हो गई है. कॉकटेल 2 ने आधिकारिक तौर पर कृति और शाहिद की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के 87 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पार कर लिया है।

भारत के बाद अब जापान के सिनेमाघरों में धूम मचाती दिखेगी धुरंधर, रिलीज तारीख का हुआ ऐलान

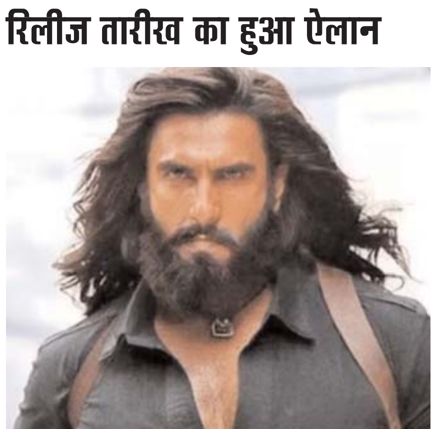

रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर अब जापान के सिनेमाघरों में धूम मचाती दिखेगी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक पोस्ट के जरिए इस खुशखबरी का ऐलान कर दिया है। साथ में रिलीज की तारीख भी बताई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह एक जासूस एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो 5 दिसंबर, 2025 में रिलीज हुई थी। वर्ल्डवाइड 1,354 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार करते हुए इसने हिंदी सिनेमा की सबसे सफल फिल्मों में अपनी जगह बनाई है। धुरंधर की रिलीज से पहले, रणवीर ने एक वीडियो संदेश ऑनलाइन साझा किया और जापान के दर्शकों तक इसके पहुंचने पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि फिल्म 10 जुलाई, 2026 से जापान के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। बता दें, धुरंधर में रणवीर के अलावा अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और संजय दत्त जैसे सितारे मौजूद हैं। इसकी दूसरी कड़ी धुरंधुर: द रिवेंज मार्च, 2026 में रिलीज हुई और अब जियोहॉटस्टार पर मौजूद है। सैकनिल्क के मुताबिक, जापान में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड एसएस राजामौली की आरआरआर के नाम है, जिसने जापान में करीब 2.42 बिलियन येन यानी करीब 139.79 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इसके बाद दूसरे नंबर पर रजनीकांत की मुथु 23.39 करोड़

आलिया भट्ट की अल्फा ने एडवांस बुकिंग में मचाया धमाल, रिलीज से पहले करोड़ छापे ?

वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स की पहल फीमेल लीड फिल्म अल्फा साल की मच अवेटेड फिल्म है और ये इस शुक्रवार को रिलीज होने वाली है. वहीं आलिया भट्ट स्टारर इस स्पाई-एक्शन फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है और प्री टिकट सेल के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि थिएटर में रिलीज से पहले ही इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. चलिए यहां जानते हैं अल्फा ने रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग में कितनी कमाई कर डाली है ? अल्फा की रिलीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार है और इसी के साथ फिल्म की खूब प्री टिकट सेल हो रही है. सैकनिल्क के शुरुआती एडवांस बुकिंग आंकड़ों के मुताबिक अल्फा ने भारत में 10 हजार 293 हिंदी (2डी) शो के जरिए अपने पहले दिन के लिए 41.06 करोड़ कमा लिए हैं. वहीं ब्लॉक की गई सीटों को मिलाकर, फिल्म की पहले दिन की एडवांस बुकिंग की कमाई फिलहाल 1.52 करोड़ है बता दें कि इस फिल्म को प्री टिकट सेल में महाराष्ट्र से सबसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. यहां ब्लॉक की गई सीटों सहित इसने 34.76 लाख की एडवांस बुकिंग की है. इसके बाद दिल्ली का नंबर है, जहां इस फिल्म ने 34.35 लाख की बुकिंग की है जबकि गुजरात ने फिल्म की रिलीज से पहले की कमाई में 10.66 लाख का कॉन्ट्रिब्यूशन दिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मौजूदा ट्रेंड्स और शुरुआती अनुमानों के आधार पर, अल्फा के भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 7 से 8 करोड़ (नेट) की कमाई करने की उम्मीद है. हालांकि ये आंकड़े किसी फ्रैंचाइजी फिल्म के लिए खास ओपनिंग नहीं है, लेकिन अभी भी स्पॉट बुकिंग (मौके पर टिकट खरीदने) की गुंजाइश है. वहीं अगर इसे पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ मिलता है तो इसके पहले दिन के कलेक्शन में इजाफे की उम्मीद है. देखने वाली बात होगी कि क्या ये डबल डिजिट में ओपनिंग कर पाएगी या नहीं ?

हम लगभग हर पहलू में शानदार थे', जीत के बाद स्पेनिश कोच ने दी अगले मुकाबलों की चेतावनी

लॉस एंजिल्स(ए.)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। इस जीत के बाद स्पेन के हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने टीम के प्रदर्शन को लगभग परफेक्ट बताया। हालांकि, उन्होंने साथ ही चेतावनी भी दी कि आगे के मुकाबले और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण होंगे।

मैच में स्पेन की ओर से पेड्रो पोरो ने अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया, जबकि मिकेल ओयारजाबल ने दो गोल दागकर टीम को शानदार जीत दिलाई। मुकाबले में स्पेन पूरी तरह से हावी नजर आया और टीम ने ऑस्ट्रिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। 'सिन्हुआ' के मुताबिक डे ला फुएंते ने मैच के बाद कहा, बड़ी टीमें तब सामने आती हैं जब उनकी मौजूदगी की जरूरत होती है। मुझे लगता है कि आज हमने एक शानदार मैच देखा है। मैं खुश हूं, क्योंकि हर तरह से हम लगभग परफेक्ट रहे, लेकिन हमें सुधार करते रहना होगा। अब हर मैच बहुत मुश्किल होने वाला है। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन का सामना अब पुर्तगाल से 7 जुलाई को होगा। कोच ने मिकेल ओयारजाबल की खास तारीफ की। उन्होंने बताया कि ओयारजाबल ने वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच में दो गोल करके इतिहास रच दिया है। वह 1986 के बाद पहले स्पेनिश खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने नॉकआउट मैच में एक से ज्यादा गोल किए हैं। इस टूर्नामेंट में ओयारजाबल अब तक चार गोल कर चुके हैं और सऊदी अरब के खिलाफ ग्रुप मैच में भी उन्होंने दो गोल किए थे।

जर्मनी के कोच जूलियन नैगल्समैन ने दिया इस्तीफा, टीम में बड़ा बदलाव तय

नई दिल्ली (ए.) । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जर्मनी राउंड ऑफ 32 में पैराग्वे के खिलाफ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस हार के बाद जर्मन फुटबॉल एसोसिएशन (डीएफबी) और टीम के हेड कोच जूलियन नैगल्समैन ने अपने रास्ते अलग करने का फैसला किया है।

जर्मनी के नए हेड कोच बनने की रेस में अब जुर्गेन क्लॉप का नाम सबसे आगे चल रहा है। जर्मनी की हार के बाद नैगल्समैन ने कहा था कि वह कोच के तौर पर काम करना चाहते हैं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि 59 साल के क्लॉप उस टीम की किस्मत बदलने के लिए एक बढ़िया विकल्प होंगे, जो 2018 और 2022 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज में बाहर हो गई थी। वहीं, इस बार भी टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

पैराग्वे के खिलाफ जर्मनी को फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार पेनल्टी शूटआउट में 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, टीम ने वर्ल्ड कप के सभी चार पेनल्टी शूटआउट जीते थे। उनकी सटीक पेनल्टी किक इतनी मशहूर थी कि पैराग्वे के खिलाफ हुए मैच से पहले तक वर्ल्ड कप के इतिहास में सिर्फ एक जर्मन खिलाड़ी, उली स्टीलिक ही पेनल्टी शूटआउट में पेनल्टी चूके थे।

फीफा वर्ल्ड कप : पुर्तगाल की जीत बनी डिओगो जोटा को समर्पित, रोनाल्डो ने 21 नंबर की जर्सी पहनकर दिया सम्मान

टोरंटो (ए.) । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में क्रोएशिया पर 2-1 की जीत के बाद पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनकी टीम ने अपने पूर्व साथी डिओगो जोटा को भावुक श्रद्धांजलि दी। जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस दुर्घटना के एक साल पूरा होने पर पुर्तगाल टीम ने अपने पूर्व खिलाड़ी को याद किया।

मैच के बाद रोनाल्डो ने डिओगो जोटा की नंबर 21 जर्सी पहनी और भावुक होकर आसमान की ओर इशारा किया। उनकी आंखों में आंसू थे और यह दृश्य खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए बेहद भावुक कर देने वाला था। रोनाल्डो ने बाद में 'फॉक्स' के साथ बातचीत करते हुए बताया कि टीम को मैच से पहले ही इस तारीख के महत्व का एहसास था और यह दिन उनके लिए सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं था।

उन्होंने कहा कि यह बहुत खास और भावनात्मक पल था, क्योंकि टीम ने सिर्फ मैच नहीं जीता बल्कि एक ऐसे साथी की याद में जीत हासिल की जिसे वे बहुत प्यार करते थे। रोनाल्डो ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि जोटा हमेशा उनके साथ मौजूद हैं और टीम ने उन्हें सबसे अच्छे तरीके से श्रद्धांजलि दी है।

डिओगो जोटा पुर्तगाल के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक थे। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। वह उस टीम का हिस्सा भी थे जिसने 2019 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता

था। अपनी मौत से कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने इस जीत का जश्न अपने साथियों के साथ मनाया था।

जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की मौत पिछले साल 3 जुलाई को एक कार दुर्घटना में हुई थी। स्पेनिश पुलिस ने बताया था कि उनकी कार ओवरटेक करने की कोशिश के दौरान सड़क से उतर गई थी। इसी दौरान टायर फटने से कार में आग लग गई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आंद्रे सिल्वा भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाल के सेकंड डिवीजन क्लब पेनाफिल के लिए खेलते थे।जोटा की याद में पुर्तगाल फुटबॉल संघ ने पहले ही उनकी जर्सी नंबर 21 को उनके करीबी दोस्त और साथी खिलाड़ी रूबेन नेवेस को सौंपकर सम्मान देने का फैसला किया था।

फीफा वर्ल्ड कप : स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर राउंड ऑफ 16 में बनाई जगह

वैंकूवर (ए.)। स्विट्जरलैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। बीसी प्लेस स्टेडियम में हुए राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अल्जीरिया को 2-0 से हराया।

स्विट्जरलैंड की ओर से इस मुकाबले में ब्रील एम्बोलो और डैन नडोये ने गोल दागे। मैच की शुरुआत से ही स्विट्जरलैंड ने आक्रामक खेल दिखाया। 10वें मिनट में जोहान मंजांबी ने शानदार दौड़ लगाते हुए गेंद को पेनल्टी बॉक्स के अंदर पहुंचाया। मंजांबी से मिले पास को ब्रील एम्बोलो ने गोल में तब्दील करके स्विट्जरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में अल्जीरिया ने भी कुछ अच्छे हमले किए, लेकिन टीम स्विट्जरलैंड के डिफेंस को नहीं भेद सकी।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। खेल शुरू होने के एक मिनट के अंदर ही डेनिस जकारिया का क्रॉस अल्जीरिया की टीम ठीक से क्लियर नहीं कर सकी। गेंद डैन नडोये के पास पहुंची, जिन्होंने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में भेज दिया। यह वर्ल्ड कप में नडोये का पहला गोल था और उन्होंने खास अंदाज में इसका जश्न मनाया।

2-0 से पीछे होने के बाद अल्जीरिया मैच में वापसी नहीं कर सका। टीम ने कुछ कोशिशें जरूर कीं, लेकिन वह कोई बड़ा मौका नहीं बना पाई। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और अपनी बढ़त सुरक्षित रखी। इस जीत के साथ स्विट्जरलैंड ने वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले, टीम ने ग्रुप चरण में बोस्निया और हर्जेगोविना तथा कनाडा को हराया था। यह पहला मौका है जब स्विट्जरलैंड ने वर्ल्ड कप में लगातार तीन मैच जीते हैं।

स्विट्जरलैंड 17 मुकाबलों में सिर्फ एक हार के साथ इस मैच में उतरा था, और टीम ने अपनी जबरदस्त लय को अल्जीरिया के खिलाफ भी बनाए रखा। अब स्विट्जरलैंड का अगला मुकाबला 7 जुलाई को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इस मुकाबले की मेजबानी भी वैंकूवर ही करेगा। स्विट्जरलैंड लगातार तीसरी बार वैंकूवर में खेलेगा, और टीम की निगाहें जीत की हैट्रिक पर होंगी।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई (ए.)। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए।

इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं।

आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ग्राहम गूच ने साल 1990 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में रनों का पहाड़ खड़ा किया था। यह सीरीज सिर्फ 3 मैचों की थी, लेकिन गूच ने सिर्फ 6 पारियों में ही 125.33 की हैरतअंगेज औसत से 752 रन बनाकर सबको चौंका दिया था। इसी सीरीज में लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर गूच ने 333 रनों की मैराथन पारी खेली थी। उन्होंने 3 शतक और 2 अर्धशतक लगाए, जो उनकी अद्भुत कला को दर्शाता है कि कैसे उन्होंने कम मैचों में इतनी बड़ी रन संख्या हासिल की।

1985 की एशेज सीरीज में इंग्लैंड के कप्तान डेविड गावर ने अपनी क्लासिक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को पूरी तरह लाचार कर दिया था। 6 मैचों की 9 पारियों में गावर के बल्ले से 81.33 की औसत से 732 रन निकले। अपनी टीम को फ्रंट से लीड करते हुए गावर ने 3 शतक और 1 अर्धशतक लगाया, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 215 रन रहा। गावर की इस शानदार कप्तानी पारी की बदौलत इंग्लैंड ने एशेज पर अपना कब्जा जमाया था।

वेस्टइंडीज की खूंखार गेंदबाजी के सामने लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर ने भी बतौर कप्तान एक अविस्मरणीय प्रदर्शन किया था। साल 1978-79 में जब वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर आई, तो भारतीय कप्तान गावस्कर के सामने दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों की चुनौती थी। बिना हेलमेट के खेलने वाले गावस्कर ने 6 मैचों की 9 पारियों में 1 बार नाबाद रहते हुए 91.50 की प्रभावशाली औसत से 732 रन बनाए। गावस्कर ने इस सीरीज में 4 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 205 रन था। विंडीज के पेस अटैक के सामने एक कप्तान के तौर पर ऐसी मजबूत पारी खेलना गावस्कर के फौलादी इरादों को बयां करता है।

वैभव को जगह देने सैमसन या ईशान को हटाने के पक्ष में नहीं पुजारा

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि जिस प्रकार से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अवसर देने के लिए संजू सैमसन, ईशान किशन या किसी अन्य अनुभवी खिलाड़ी को बाहर किये जाने के सुझाव दिये जा रहे हैं। उससे वह सहमत नहीं हैं। पुजारा के अनुसार वैभव को शामिल करने के लिए सैमसन जैसे विकेटकीपर बल्लेबाज को बाहर किये जाने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिये। उन्होंने कहा कि सैमसन जैसे खिलाड़ी को अभी लंबे समय तक टीम में बनाये रखना चाहिये। पुजारा ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम को सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। उन्हें वैभव के कारण किसी तरह का दबाव महसूस नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपनी प्रतिभा से अपने को साबित किया है और उनकी जगह अंतिम ग्यारह में बनी रहनी चाहिये। इस प्रकर की मांग करना की सैमसन को बारहर बैठा दिया जाये कहीं से ही सही नहीं है। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का अवसर मिले। साथ ही कहा कि वैभव को जगह देने के लिए किसी भी स्थापित सीनियर खिलाड़ी को बाहर करना गलत होगा।

बीमा पॉलिसी रिफंड के नाम पर 1.60 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

दिल्ली से 3 अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, (आरएनएस)। रेंज साइबर थाना दुर्ग पुलिस ने बीमा पॉलिसी की राशि रिफंड कराने का झांसा देकर लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने खुद को बीमा लोकपाल का अधिकारी बताकर पीड़ित से विभिन्न बैंक खातों में ऑनलाइन रकम ट्रांसफर कराई थी।

पुलिस के अनुसार, रेंज साइबर थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 03/2026 के तहत विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों के विश्लेषण और वित्तीय लेनदेन की जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद विशेष टीम दिल्ली भेजी गई, जहां से मनमीत सिंह (42), ईशांत माहे उर्फईशु (37) और अमनदीप सिंह (33) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दिल्ली के तीस हजारी न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर आरोपियों को दुर्ग लाया।

पूछताछ में आरोपियों ने पैसों के लालच में अपने बैंक खाते खुलवाकर उन्हें साइबर ठगी में उपयोग के लिए उपलब्ध कराना स्वीकार किया। जांच में यह भी सामने आया कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल एक विदेशी (नाइजीरियन) साइबर ठगी नेटवर्क द्वारा किया जा रहा था। आरोपियों के बैंक खातों में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मिले हैं तथा विभिन्न राज्यों में इनके खिलाफ साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें भी दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 मोबाइल फोन, 6 बैंक पासबुक, 4 चेकबुक और विभिन्न सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग साइबर अपराध में किया जा रहा था। मामले में पहले एक बैंक खाताधारक की गिरफ्तारी हो चुकी है और अब नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

भाजपा नेता पर हमला: फरार 5 आरोपियों को पुलिस ने लिया गिरफ्त में

प्रतिबंधित काम करने पर हुई थी शिकायत

कोरबा, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के महामंत्री पर किए गए हमले की घटना को लेकर बालको नगर पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो बाप बेटे हैं। भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में पुलिस ने पहले ही अपराध दर्ज कर लिया था घटना के बाद फरार हुए आरोपियों की तलाश की गई। आज इन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल शिफ्ट करने की कार्रवाई की।

भुलसीडीह गांव में भाजपा किसान मोर्चा मंडल कोरबा के मंत्री कपिलेश्वर धीरज पर कुछ लोगों ने हमला कर जख्मी कर दिया। इनसें 60 हजार रुपए लूट लिए गए। पीडित को जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कपिलेश्वर धीरज बुधवार देर रात निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के पास स्थित अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया। पीडित का आरोप है कि आरोपियों ने उनकी कार में तोडफोड़ की और लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान 60 हजार रुपये नकद भी ले लिए गए। कपिलेश्वर धीरज का कहना है कि उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर में बाहरी मजदूरों के बीच गांजा व अन्य नशीले पदार्थों की कथित सप्लाई का विरोध किया था। उनका आरोप है कि इसी रंजिश के चलते उन पर हमला किया गया।

बालको नगर पुलिस ने बताया कि इस प्रकरण में रजगामार के रहने वाले अरुण रात्रे,लक्ष्मी रात्रे, गोरेलाल टंडन, संदीप महिलांगे और अनिल चैहान को गिरफ्तार किया गया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग खड़े हुए थे।

इससे पहले 15 जून को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत रज्जाक अली और उसके दो सहयोगियों ने लाठी-डंडा और रॉड से हमला कर मलकू नगर भाजपा मंडल के पूर्व अध्यक्ष शिव बालक सिंह तोमर को जान से मारने की कोशिश की थी। हिस्ट्रीशीटर रज्जाक अली और उसके सहयोगी हमलावरों को बीएनएस की कई धाराओं में गिरफ्तार कर जिला जेल में रखा गया है। इसके साथ ही पुलिस ने उसके पिछले जरायम रिकार्ड को रिओपन करते हुए उसके खिलाफराष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत कड़ी कार्यवाही करने का प्रस्ताव जिला दण्डाधिकारी को भेजा है।

बड़ी राहत : आवाजाही के लिए खुला तान नदी ब्रिज

रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया मरम्मत कार्य

रायपुर, (आरएनएस)। कटघोरा से अंबिकापुर के बीच यात्रा करने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के कटघोरा-शिवनगर खंड पर गुरसियाँ स्थित तान नदी ब्रिज को मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद आम यातायात के लिए पुन: खोल दिया है। परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर के परियोजना निदेशक मुकेश कुमार ने बताया कि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए ब्रिज की आवश्यक संरचनात्मक मरम्मत रिकॉर्ड समय में पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही इस मार्ग पर यातायात पुन: पूर्ण क्षमता के साथ सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। पुल की रेलिंग के बचे कार्य को कुछ दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

अनियंत्रित हाइवा 20 फीट गहरे नाले में गिरा, चालक बाल-बाल बचा

कोरबा, (आरएनएस)। जिले के इमलीडुग्गू बाईपास मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे करीब 20 फीट गहरे नाले में जा गिरा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन चलाते समय चालक को नींद की झपकी आने से हादसा हुआ।

दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि हादसे में चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। यह हादसा लंबी दूरी तय करने वाले भारी वाहनों के चालकों में थकान और नींद की समस्या को एक बार फिर उजागर करता है।

आकाशीय बिजली का कहर: खेत में गिरी बिजली, पिता की मौत, पुत्र बेहोश

कोरब (आरएनएस)। जिले के उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तुमान में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में कृषि कार्य कर रहे पिता-पुत्र इसकी चपेट में आ गए। हादसे में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र बेहोश हो गया।

जानकारी के अनुसार, मनीराम पटेल अपने पुत्र धनेसवर पटेल के साथ खेत में काम कर रहे थे। मनीराम खेत की मेड़ पर खड़े थे, जबकि धनेसवर खेत में कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरने से दोनों इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद धनेसवर कुछ समय तक बेहोश रहा। होश आने पर उसने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से अपने पिता को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मनीराम पटेल को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के बाद ग्राम तुमान सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

प्रशासन ने बारिश और गरज-चमक के मौसम को देखते हुए लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले खेतों, पेड़ों और ऊंचे स्थानों पर जाने से बचें तथा सुरक्षित स्थान पर ही शरण लें।

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जशपुर जिले में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक सहकारी सप्ताह के अंतर्गत जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान किसानों एवं समिति सदस्यों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), रूपे केसीसी कार्ड तथा माइक्रो एटीएम कार्ड वितरित किए गए।

दूधाधारी मठ की 30 एकड़ जमीन का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, 20 साल बाद भी नहीं मिला बदले में भूखंड

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के अंतरराज्यीय बस स्टैंड के निर्माण के लिए करीब दो दशक पहले दूधाधारी मठ ट्रस्ट से ली गई 30 एकड़ जमीन के बदले अब तक दूसरी जमीन नहीं मिलने का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। ट्रस्ट की याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2007-08 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की पहल पर रावणभाठा में अंतरराज्यीय बस स्टैंड निर्माण के लिए दूधाधारी मठ ट्रस्ट ने अपनी 30 एकड़ जमीन देने पर सहमति दी थी। समझौते के तहत ट्रस्ट को नवा रायपुर में जमीन देने और बस स्टैंड परिसर में बनने वाले कॉम्प्लेक्स की आधी दुकानें देने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद ट्रस्ट ने जमीन नगर निगम को सौंप दी, लेकिन निर्माण कार्य बीच में रुक गया।

बाद में जमीन का लैंड यूज बदलकर अंतरराज्यीय बस स्टैंड का निर्माण पूरा किया गया और इसका नाम भी दूधाधारी मठ के नाम पर रखा गया। हालांकि, ट्रस्ट को बदले में न तो जमीन मिली और न ही वादे के अनुरूप लाभ। भूपेश बघेल सरकार के दौरान नवा रायपुर में जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने की बात कही गई, लेकिन मामला कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रहा। सरकार बदलने के बाद भी समाधान नहीं निकला। ट्रस्ट ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी से भी मुलाकात की, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। इसके बाद ट्रस्ट ने हाईकोर्ट का रुख किया।

दुकानों के आवंटन पर भी उठाए सवाल

दूधाधारी मठ ट्रस्ट ने बस स्टैंड परिसर की दुकानों के आवंटन में भी अनियमितता का आरोप लगाया है। ट्रस्ट का दावा है कि समझौते के तहत उसे 14 दुकानें मिलनी थीं, लेकिन सात दुकानों को विभाजित कर 14 दुकानें दिखा दी गईं। ट्रस्ट का कहना है कि बिजली मीटर स्वीकृति के दौरान पता चला कि केवल सात दुकानों के लिए ही मीटर स्वीकृत किए गए थे। इन सभी तथ्यों का उल्लेख ट्रस्ट ने अपनी हाईकोर्ट में दायर याचिका में किया है। अब हाईकोर्ट द्वारा राज्य सरकार को नोटिस जारी किए जाने के बाद इस लंबे समय से लंबित विवाद के समाधान की उम्मीद बढ़ गई है।

21 साल बाद फिर गूंजी स्कूल की घंटी, बीजापुर के 37 बंद विद्यालयों में लौटी बच्चों की मुस्कान

नक्सल प्रभावित बीजापुर में शिक्षा की नई सुबह, 37 बंद स्कूल दोबारा खुले

बीजापुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले से शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। वर्ष 2005 से बंद पड़े 37 विद्यालयों का दोबारा संचालन शुरू कर दिया गया है। इनमें पीडिया क्षेत्र के 11 स्कूल भी शामिल हैं, जहां 21 साल बाद फिर से स्कूल की घंटी गूंजी और बच्चों की किलकारियों से परिसर गुलजार हो उठा। जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। बच्चों को गणवेश, स्कूल बैग और अध्ययन सामग्री वितरित की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि 539 बच्चों ने नए सत्र में इन विद्यालयों में प्रवेश लिया है। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पांडे ने कहा कि बंद स्कूलों के पुन: संचालन से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को अब अपने गांव के पास ही शिक्षा की सुविधा मिलेगी। यह पहल शिक्षा के साथ-साथ क्षेत्र के सामाजिक विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

रपटों, पुलों और पुलियों पर पानी होने पर रास्ता पार न करें : कलेक्टर बालागुरू के.

वर्षा के दौरान नदी, तालाब, डेम एवं वॉटरफॉल के आसपास पिकनिक मनाने से बचे

सीहोर (निप्र)। वर्षा काल को देखते हुए कलेक्टर बालागुरू के. ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा वर्षा के दौरान किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से बचें। उन्होंने नागरिकों से कहा है कि रपटों, पुलों एवं पुलियों पर पानी होने की स्थिति में किसी भी परिस्थिति में रास्ता पार करने का प्रयास न करें। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि वर्षा के दौरान नदी, नाले, तालाब, डैम, जलप्रपात (वॉटरफॉल) तथा अन्य जलस्त्रोतों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। इसलिए नागरिक ऐसे स्थानों पर पिकनिक मनाने अथवा घूमने जाने से बचें। उन्होंने अभिभावकों से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे बच्चों को नदी, तालाब, नालों एवं अन्य जलाशयों में नहाने या खेलने के लिए जाने से रोकें तथा उनकी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखें। कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व), तहसीलदारों, मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के नदी-नालों, तालाबों, डेमों, रपटों, पुल-पुलियों, वॉटरफॉल एवं जलभराव

फाईल फोटो

वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी रखें। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सतर्कता बनाए रखने, लोगों को समय पर सचेत करने तथा आवश्यकता पड़ने पर जोखिम वाले क्षेत्रों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिलेवासियों से मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने, तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा पुलिस को देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सावधानी ही सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है और सभी नागरिकों का सहयोग जन-धन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सीहोर जिले में 03 जुलाई तक औसत 230.7 मिमी वर्षा दर्ज

दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार जिले में वर्षा का दौर जारी है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 03 जुलाई 2026 को जिले में औसतन 31.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 71.3 मिमी वर्षा जावर तहसील में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा सीहोर में 9.0 मिमी, भैरूंदा में 56.0 मिमी, रेहटी में 16.4 मिमी, श्यामपुर में 30.0 मिमी तथा इछावर आष्टा में 59.0 मिमी, इछावर में 22.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। बुधनी तहसील में वर्षा दर्ज नहीं की गई। 01 जून 2026 से 03 जुलाई 2026 तक जिले में औसतन 230.7 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि इसी अवधि में गत वर्ष 222.0 मिमी वर्षा हुई थी। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार आष्टा में सर्वाधिक 351.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसके अलावा भैरूंदा में 328.0 मिमी, इछावर में 270.0 मिमी, सीहोर में 185.9 मिमी, जावर में 248.7 मिमी, बुधनी में 173.0 मिमी, रेहटी में 178.8 मिमी तथा श्यामपुर में 119.8 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज-2026 के लिए ऑनलाइन पंजीयन 25 जुलाई 2026 तकः विद्यार्थियों को जानने को मिलेगी प्रदेश की समृद्धशाली विरासत

सीहोर (ए.)। मध्यप्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक संपदा और पर्यटन की असीम संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन क्विज-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय इस क्विज में भाग लेने के लिए विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन 1 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक शाम 5:30 बजे तक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से किया जा सकता है। विद्यार्थियों में पर्यटन के माध्यम से सीखने की प्रवृत्ति को विकसित करने, मध्यप्रदेश पर्यटन की संभावनाओं से जुड़े ज्ञान का संचार करने के उद्देश्स से आयोजित हो रहे इस क्विज में प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय, सी.बी.एस.ई. एवं केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं के अध्ययनरत छात्र-छात्राएं सहभागिता कर सकते हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज-2026 बूझो जानो फिर देखो अपना प्रदेश का जिला स्तरीय आयोजन आगामी 07 अगस्त 2026 को प्रदेश के समस्त जिलों में एक साथ किया जाएगा। पर्यटन क्विज-2026 क्विज में पूछे जाने वाले प्रश्न मध्य प्रदेश के पर्यटन, कला, संस्कृति, धार्मिक, प्राकृतिक परिवेश और ऐतिहासिक संवर्धन पर आधारित होंगे।

बटान फाइल गुम करने की मशीन बनी श्यामपुर तहसील

पीड़ित किसान ने राजस्व अफसरों पर कार्रवाई करने कलेक्टर से लगाई गुहार

एक साल से बार-बार श्यामपुर तहसील के चक्कर लगाकर परेशान हुआ किसान

सीहोर (निप्र)। श्यामपुर तहसील कार्यालय से एक किसान की बटांकन फाइल राजस्व अधिकारी-कर्मचारी की लापरवाही से गुम होना एक बेहद गंभीर मामला है। तहसील से गलत बटांकन करने एवं फाइल गुम होने की शिकायत पीड़ित दिव्यांग किसान नरेश मेवाड़ा ने कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर वंदना राजपूत को ज्ञापन सौंपकर की है। पीड़ित किसान नरेश मेवाड़ा ने मांग की है कि मेरी जमीन का सही बटांकन किया जाए एवं तहसील में फाइल गुम करने और गड़बड़ी करने वाले राजस्व अधिकारी कर्मचारी पर कार्रवाई की जाए। पीड़ित दिव्यांग नरेश मेवाड़ा का आरोप है कि मैंने एक वर्ष पूर्व सिराड़ी में पैतृक जमीन खसरा क्रमांक 779/2/1/1 किता 01 रकबा 0 6070 हैक्टेयर भूमि पर मूल नक्शे में बटान करवाने हेतु करीब एक वर्ष पूर्व श्यामपुर तहसील में आवेदन किया था। जिसके बाद हल्का पटवारी हेम सिंह मेवाड़ा ने मौके पर जाकर जमीन का कब्जा उठाकर आवेदन तहसील में प्रस्तुत किया था। इसके बाद मेरी जमीन के बटांकन के लिए श्यामपुर तहसील कार्यालय से मेरी भूमि के आसपास के सभी किसानों को नोटिस जारी हुआ था। सभी किसानों कमलेश, सोदान, रेशमाबाई, राधाबाई, हेम सिंह, हेमराज ने सहमति से आवेदन पर हस्ताक्षर भी किए थे और नरेश मेवाड़ा ने पेशी भी की थी। इसके बाद तहसील कार्यालय से गलत बटांकन कर दिया। जब पीड़ित किसान ने तहसील कार्यालय से आदेश की प्रमाणित कापी ली थी उसमें नक्शे में गलत बटान179/112/2 डाल दिया। जिसकी जानकारी मैंने पटवारी हेम सिंह मेवाड़ा को दी तो पटवारी ने कहा कि सही है। मुझे नक्शे में गड़बड़ी लगने पर मैंने नक्शे को पटवारियों के जिला अध्यक्ष संजय राठौर को बताया। उन्होंने नक्शे में हुई गड़बड़ी तुरंत पकड़ ली। उन्होंने पटवारी हेम सिंह मेवाड़ा से आग्रह किया कि इसे पुराने रिकॉर्ड से मिलाकर इस गलत बटान प्रकरण को सही करें। जिसके बाद पटवारी हेम सिंह मेवाड़ा ने कहा कि मैं आठ दिन में सही करके दे दूंगा। जब पीड़ित किसान नरेश मेवाड़ा ने श्यामपुर तहसील के बाबू अजय त्यागी से पूछा कि मेरी जमीन का बटांकन हो गया तो उन्होंने कहा कि तहसील कार्यालय से फाइल गुम हो गई है। इसके बाद पटवारी हेम सिंह मेवाड़ा ने कहा कि बहुत सी फाइल है गुम हो गई है। आप फिर से नए दस्तावेज पर आवेदन कर दे। 3 जुलाई को पटवारी हेम सिंह मेवाड़ा फिर पीड़ित किसान नरेश मेवाड़ा के पास पहुंचा और नए दस्तावेज पर साइन करवाए।

मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता से बदलेगी किशोरों की सोच, आरकेएसके के तहत हुआ विशेष कार्यक्रम

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1, सीहोर में किशोर-किशोरियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के किशोर परामर्शदाता ममतेश राठौर ने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन एवं समय पर काउंसलिंग के महत्व की जानकारी दी। साथ ही Mannhit App, AI Just Ask Chat Bot तथा टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 के माध्यम से उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि उमंग क्लीनिक से लाभान्वित एक छात्रा ने अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि नियमित काउंसलिंग से उसका आत्मविश्वास बढ़ा और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ। इस प्रेरक अनुभव ने अन्य विद्यार्थियों को भी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में समय पर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्राचार्य सुनीता जैन, उमंग हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर डॉ. देवेंद्र साहू, कुमेर मालवीय एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

वर्षा ऋतु में सुरक्षा के दृष्टिगत अमरगढ़, कालियादेव एवं दिगंबर वॉटरफॉल पर आवागमन प्रतिबंधित

01 जुलाई से 31 अगस्त तक रहेगा प्रतिबंध

सीहोर, (निप्र)। वर्षा ऋतु के दौरान संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं नागरिकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बालागुरू के. ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर बुधनी के अमरगढ़ वॉटरफॉल, दिगंबर वॉटरफॉल एवं इछावर के कालियादेव वॉटरफॉल पर आम नागरिकों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश 01 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेशानुसार वर्षा ऋतु के दौरान इन प्राकृतिक जलप्रपातों पर जलस्तर में अचानक वृद्धि, तेज बहाव, फिसलन एवं अन्य प्राकृतिक जोखिमों के कारण जनहानि की आशंका बनी रहती है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को देखते हुए यह प्रतिबंध लगाया गया है। प्रतिबंध अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति को अमरगढ़, कालियादेव एवं दिगंबर वॉटरफॉल क्षेत्र में प्रवेश, भ्रमण, स्नान, सेल्फी लेने अथवा अन्य गतिविधियां करने की अनुमति नहीं होगी।

शिवभक्तों में उल्लास, जयकारों के साथ अमरनाथ यात्रा पर रवाना

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने किया अमरनाथ यात्रियों को पुष्प-माला पहनाकर रवाना

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी बाबा अमरनाथ सेवा मंडल गल्ला मंडी के तत्वाधान में शाम शहर के रेलवे स्टेशन से कश्मीर स्थित प्रमुख तीर्थ स्थल श्री अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए शहर से श्रद्धालुओं का दल रवाना किया गया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्षद और क्षेत्रवासियों ने 55 सदस्यीय मंडल के अध्यक्ष राम भरोस यादव सहित अन्य का पुष्प माला पहनाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत और सम्मान किया। इस मौके पर जिला संस्कार मंच के पदाधिकारी भी शामिल थे। जोरदार बारिश के मध्य भी नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और भगवान शिव के जयकारों के मध्य बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना किया। नपाध्यक्ष श्री राठौर ने सभी ने यात्रा में शामिल सभी लोगों की मंगल कामना करते हुए भगवान के जयकारें लगाते हुए जत्थे को हरी झंडी देकर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की। सभी यात्री पहलगांव चंदन बाड़ी पहुंचकर इस मार्ग से पवित्र बर्फानी शिवलिंग के दर्शन के लिए चढ़ाई शुरू करेंगे। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अध्यक्ष श्री यादव ने बताया कि मंडल के द्वारा बड़ी संख्या में श्रद्धालु जत्थे में शामिल होते है और पूरे उत्साह के साथ यात्रा करते है। लगभग दस दिनों के इस सफर में प्रतिदिन भजन और कीर्तन का आयोजन भी किया जाता है। लगातार कई सालों से इस जत्थे में शामिल सभी श्रद्धालु बाबा के दर्शन करते है। यहां भगवान शिव हिम शिवलिंग के रूप में मौजूद है। यहां गुफा की छत से टपकने वाले पानी से बर्फ का शिवलिंग बनता है। इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। शिवलिंग के अलावा इस गुफा का महत्व इसलिए भी है क्योंकि मान्यता है कि यहीं भगवान शिव ने पत्नी देवी पार्वती को अमरत्व का मंत्र सुनाया था।

कृषक हितग्राहियों को सायबर ठगों से सावधान करने की एडवाइजरी जारी

सीहोर (निप्र)। किसानों के कल्याण और कृषि विकास की हितग्राही मूलक योजनाओं के नाम पर साइबर ठगों से सावधान करने के लिये कृषि अभियांत्रिकी द्वारा एडवाइजरी जारी की है। संचालक अभियांत्रिकी ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर स्वयं को विभागीय अधिकारी के रूप में अपना परिचय देकर सायबर ठगी करते है। ऐसे प्रकरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषक हितग्राही योजनाओं के अंतर्गत कस्टम हायरिंग योजना की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी है। इस प्रक्रिया में किसी भी हितग्राही से योजना संबंधी संपर्क नहीं किया जाता है। संचालक कृषि अभियांत्रिकी ने हितग्राहियों से अपेक्षा की है कि वे अनजान नंबरों से आने वाले कॉल, वॉट्सऐप कॉल/वीडियो कॉल/अन्य सोशल मीडिया से प्राप्त होने वाले कॉल नंबर जिनमें मुख्यतः 07056847570, 07088438459, 0756847570, 9520711020 हो तो उन्हें बिल्कुल भी न उठाये जाए। अनजान व्यक्तियों पर विश्वास न करें, उनसे किसी भी प्रकार की सूचना व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। हो सकता है वह आपकी जानकारी अन्य माध्यम से प्राप्त कर आपको परेशान करे।

रामलीला में राम वनवास का मार्मिक मंचन

राजा दशरथ राम के राज्याभिषेक की तैयारी, कैकई के वर से मिला भगवान को वनवास

सीहोर (निप्र)। प्रयागराज से शहर के प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में श्री रामायण रामलीला मंडल के तत्वाधान में रामलीला का भव्य आयोजन किया। इस वर्ष राम वनवास का प्रसंग विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया। यहां पर मौजूद रामलीला के कलाकारों ने भगवान के स्वयंवर के पश्चात भगवान के वनवास का मार्मिक मंचन किया। मंचन की शुरुआत मंथरा-कैकई और दशरथ-कैकई के संवादों से हुई। जनकपुरी से विवाह के बाद राम-सीता की अयोध्या वापसी होती है। राजा दशरथ राम के राज्याभिषेक की तैयारी कर रहे हैं। मंथरा कैकई को भड़काती है। कैकई दशरथ से दो वरदान मांगती हैं, भरत को राजगद्दी और राम को चौदह वर्ष का वनवास। रामलीला के महंत बृजेश शर्मा, संत माधवदास महाराज, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी, सनातन सेना प्रदेश सचिव पवन केवट, आयुष गुप्ता आदि ने आरती कर शुरूआत की। राजा दशरथ कैकई की मांग स्वीकार करते हैं। राम माता कौशल्या से विदाई लेते हैं। उनके भावुक संवाद से दर्शकों की आंखें नम हो गईं। राम, सीता और लक्ष्मण वन की ओर प्रस्थान करते हैं। पुत्र वियोग में राजा दशरथ प्राण त्याग देते हैं। कलाकारों के उत्कृष्ट अभिनय ने पौराणिक प्रसंग को जीवंत कर दिया।

चर्च मैदान पर जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता

शानदार मुकाबले में एमजी क्लब ने सीहोर मिनी बाइज को 2-1 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर खिलाड़ियों को मंच देने के लिए हर साल की तरह इस साल भी स्व. कैलाश सारंग की स्मृति में जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार की शाम को जूनियर वर्ग और सीनियर वर्ग के दो मुकाबले खेले गए। इसमें जूनियर वर्ग के शानदार मैच में एमजी क्लब ने सीहोर मिनी बाइज को 2-1 से हराया। शुक्रवार की शाम को खेले गए रोमांचक मुकाबले में जूनियर वर्ग के मुकाबले में एमजी क्लब ने सीहोर मिनी बाइज को 2-1 से हराया। इस मुकाबले में एमजी क्लब की ओर से पियुष-राज ने 1-1 गोल किया। वहीं सीहोर मिनी बाइज की ओर से एक मात्र गोल कुशल ने किया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया सीनियर वर्ग में आरएसआई की 3-2 से टीम विजय रही। जिसमें आरएसआई की ओर से गर्वित, ध्रुव और मोनित ने 1-1 गोल किया।

स्व.नाथूराम जेलर साहब की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं सहित मातृशक्ति ने किया 50 युनिट रक्तदान

सीहोर (निप्र)। कांग्रेस मंडल अध्यक्ष गंज, प्रवेश परिहार जी के नेतृत्व में स्व. श्री नाथूराम जेलर साहब (दादाजी) की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित किया। जिसमें विशेष रूप से कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती, ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम यादव ,पार्षद श्री विवेक राठौर उपस्थित रहे।

स्वर्गीय श्री नाथूराम जेलर साहब (दादाजी) की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रवेश परिहार जी के नेतृत्व में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवियों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लगभग 50 यूनिट रक्तदान किया।

प्रवेश परिहार जी ने कहा कि रक्तदान महादान है और यह किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन की रक्षा करने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय श्री नाथूराम जेलर साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में सभी स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। रक्तदान करने वाले युवाओं में प्रमुख रूप से मोनू मंगोलिया ,लखन जाटव, अंकित मंगरोलिया ,नमन कचनेरिया , ललित कचनारिया,राजा मंगरौलीया ,विक्की जाटव, राहुल जाटव ,रोहित जाटव, यादव ऋतिक पुरवइया, मोनू परिहार, हरि सिंह परिहार, दीपक बडोदिया , श्रीमती नीलम परिहार, मुस्कान कचनेरिया ,नमन कचनेरिया, सोनू जाटव ,ललित कचनेरिया ,विनोद धौलपुर, अनिकेत उज्जैन, सोनू भंडारी, अनिल परमार, सोनू वर्मा, रवि जाटव, आकाश यादव, नीरज जवालिया, पवन उज्जैनिया, जितेन्द्र मंगरोलिया, अनिकेत मंगरोलिया सहित बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए।

आईईएस पब्लिक स्कूल सीहोर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

सीहोर (निप्र)। आईईएस पब्लिक स्कूल सीहोर में विद्यार्थियों के बीच सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सिहोर जिले की पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और पूजा शर्मा द्वारा उपस्थित रही। इस कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना जी ने 350 से भी अधिक विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्व, ऑनलाइन खतरों से बचाव तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों, फ़िशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, मजबूत पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन तथा व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी साझा की। साथ ही विद्यार्थियों को साइबर हमलों से बचाव के व्यावहारिक उपायों और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े आवश्यक सावधानियों के बारे में भी अवगत कराया गया। आईईएस पब्लिक स्कूल द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष, डिजिटल रूप से सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनाया जा सके। प्रोफ (डॉ) मनीषा कवाथेकर, डायरेक्टर, आईईएस पब्लिक स्कूल ने सभी आतिथिओ का उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और छात्रों के साथ प्रेरणादायक बातचीत के लिए तहे दिल से आभार व्यक्त किया।

विद्युत मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों पर डरा-धमकाकर जबरन कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराने का गंभीर आरोप

सीहोर (ए.)। ग्राम सेमरा दांगी के किसान राकेश वर्मा और अशोक वर्मा ने विद्युत वितरण केंद्र खजूरिया कलां एवं विद्युत मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों पर डरा-धमकाकर जबरन कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराने का गंभीर आरोप लगाया है। दोनों किसानों ने शपथपत्र एवं नोटरी के माध्यम से कलेक्टर, एसडीएम, पुलिस अधीक्षक और विद्युत मंडल के अधीक्षण यंत्री को शिकायत सौंपकर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दोनों किसानों ने बताया कि 18 जून 2026 को ग्राम बड़बेली में हुई विद्युत दुर्घटना के समय वे मौके पर मौजूद नहीं थे। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि किसान सतीश मेवाड़ा करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। आरोप है कि 30 जून 2026 को विद्युत विभाग के अधिकारियों और लाइनमैन ने उन्हें अलग-अलग स्थानों पर बुलाकर डरा-धमकाकर कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराए। किसानों का कहना है कि उन्हें विद्युत चोरी का मामला दर्ज करने और अन्य झूठे प्रकरणों में फंसाने की धमकी दी गई, जिसके भय से उन्हें हस्ताक्षर करने पड़े। राकेश वर्मा और अशोक वर्मा ने मांग की है कि दबाव में कराए गए हस्ताक्षरों को अमान्य घोषित किया जाए तथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

भारी बारिश में किसानों का प्रदर्शन

मामले की जानकारी मिलते ही किसान एवं समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा के नेतृत्व में दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसान भारी बारिश के बीच कलेक्ट्रेट पहुंचे। किसानों ने विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डिप्टी

कलेक्टर वंदना राजपूत, एसडीएम जनमय वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक अभिनंदना शर्मा एवं विद्युत अधीक्षण यंत्री सुश्री पूनम तुमराम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 18 जून 2026 को ग्राम बड़बेली निवासी किसान सतीश मेवाड़ा कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन, जो लंबे समय से जमीन से लगभग पांच फीट की ऊंचाई पर झूल रही थी, उसकी चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गए। किसानों का आरोप है कि विद्युत विभाग के खंभे लंबे समय से टेढ़े थे और कई बार शिकायत के बावजूद विभाग ने कोई सुधार नहीं किया।

गंभीर हालत में किसान, हाथ काटना पड़ा

हादसे में सतीश मेवाड़ा गंभीर रूप से घायल हुए। उपचार के दौरान चिकित्सकों को उनका एक हाथ काटना पड़ा, जबकि एक पैर भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। वर्तमान में भी उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

किसानों का कहना है कि घटना की शिकायत तहसील श्यामपुर और थाना दोराहा में की जा चुकी है, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी किसी भी दोषी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि विद्युत विभाग अपनी लापरवाही छिपाने और झूठे पंचनामे तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

किसानों की प्रमुख मांगें

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने प्रशासन से मांग की कि—

घायल किसान सतीश मेवाड़ा के संपूर्ण इलाज का खर्च विद्युत विभाग वहन करे।

पीड़ित किसान को 25 लाख रुपये का मुआवजा एवं आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

हाथ-पैर से दिव्यांग हो चुके किसान को विद्युत मंडल में सरकारी नौकरी दी जाए।

दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लाइनमैन एवं संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को दंडित किया जाए।

प्रदर्शन में ग्राम बड़बेली, चंदेरी, रातीखेड़ा, अंतिपुरा, महोडिया, छापरी, रामाखेड़ी, बिलकिसगंज, कुलासखुर्द सहित दर्जनों गांवों के सैकड़ों किसान शामिल हुए। इस दौरान एम.एस. मेवाड़ा, राकेश वर्मा, अशोक वर्मा, रायसिंह मेवाड़ा, ब्रजेश दांगी, नेपाल दांगी, सुनील, जीवन वर्मा, हेमराज सिंह, प्रहलाद सिंह मेवाड़ा, मिठ्ठूलाल मेवाड़ा, हीरालाल, उमराव सिंह, हरनाम सिंह, उधम सिंह ठाकुर, लक्ष्मण सिंह, राजमल, यादव सिंह मेवाड़ा, रामनारायण, मिट्ठू मेवाड़ा, मनोहर सिंह, सोहन, विनोद, रामचरण मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

प्रधान डाकघर सीहोर में 4 जुलाई को विशेष आधार सेवा शिविर,नए आधार निःशुल्क बनेंगे सभी प्रकार के अपडेट की मिलेगी सुविधा

सीहोर (ए.)। आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रधान डाकघर, सीहोर में 4 जुलाई (शनिवार) को प्रातः 8:00 बजे से विशेष आधार सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से जिले के नागरिकों को एक ही स्थान पर आधार कार्ड से जुड़ी विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। शिविर में नवजात बच्चों, स्कूली विद्यार्थियों, महिलाओं, पुरुषों एवं वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों के नए आधार कार्ड बनाए जाएंगे, वहीं पहले से बने आधार कार्ड में आवश्यक संशोधन एवं अपडेट भी किए जाएंगे। आधार अपडेट के अंतर्गत नाम, जन्मतिथि, पता (एड्रेस), मोबाइल नंबर, बायोमैट्रिक (फिंगरप्रिंट एवं आईरिस), फोटो परिवर्तन तथा अन्य आवश्यक विवरणों का संशोधन किया जाएगा। जिन बच्चों का निर्धारित आयु के अनुसार बायोमैट्रिक अपडेट होना शेष है, वे भी इस शिविर का लाभ उठा सकते हैं। विशेष बात यह है कि प्रधान डाकघर में नए आधार कार्ड पूरी तरह निःशुल्क बनाए जाएंगे, वहीं प्रथम आधार अपडेट की सुविधा भी निशुल्क उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त निर्धारित नियमों के अनुसार अन्य अपडेट सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी। डाक विभाग ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि जिनका आधार कार्ड अभी तक नहीं बना है अथवा जिनके आधार में किसी प्रकार का संशोधन या अपडेट आवश्यक है, वे निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रधान डाकघर, सीहोर पहुंचकर इस विशेष शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। यह विशेष शिविर नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं सहज, त्वरित एवं सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जिससे लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com